



# मप्र में युवतियों के बीच तेजी से बढ़ रही धूम्रपान की प्रवृत्ति

हरिभूमि न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश में युवतियों के बीच तेजी से बढ़ती धूम्रपान और नशे की प्रवृत्ति ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सर्वे में खुलासा हुआ है कि प्रदेश की हर 100 में से 12 युवतियां सिगरेट और 22 से अधिक युवतियां बीड़ी का सेवन कर रही हैं। सर्वे के अनुसार धूम्रपान, शराब और अन्य नशीले पदार्थों की ओर भी युवतियों का झुकाव बढ़ गया है। आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश की युवतियां अब नशे के मामलों में लड़कों की बराबरी करती नजर आ रही हैं। एनएचएम द्वारा किए सर्वे के मुताबिक पिछले सात वर्षों में सिगरेट पीने वाली युवतियों की संख्या 9.3 प्रतिशत और बीड़ी पीने वाली लड़कियों की संख्या 13.1 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सर्वे के अनुसार मध्य प्रदेश में हर 100 लड़कियों में से 12 सिगरेट पीती हैं, जबकि 22 से अधिक लड़कियां बीड़ी का सेवन करती हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस आज

► **स्वास्थ्य विभाग के सर्वे में खुलासा**  
► **सर्वे ने बड़ाई सरकार की चिंता: 100 में 12 लड़कियां पी रहीं सिगरेट, 22 को बीड़ी की लत**  
► **शराब और ड्रग्स का सेवन भी बढ़ा**



18 से 25 साल के बच्चों पर हुआ सर्वे

सर्वे के तहत देशभर के 987 स्कूलों के 97 हजार 302 विद्यार्थियों और मध्य प्रदेश के 34 स्कूलों के दो हजार 979 विद्यार्थियों को शामिल किया गया। सर्वे 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के बीच किया गया। इसमें 544 सरकारी और 433 निजी कॉलेज शामिल थे। मध्य प्रदेश से दो हजार 490 विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं ली गईं।

तंबाकू छोड़ना चाहते हैं हजारों युवा

सर्वे के अनुसार वर्तमान में धूम्रपान करने वाले 26.2 प्रतिशत लोगों ने पिछले 12 महीनों में इसे छोड़ने का प्रयास किया। वहीं 37.9 प्रतिशत लोग धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं और करीब 30 प्रतिशत लोग किसी भी प्रकार के तंबाकू सेवन से मुक्ति पाना चाहते हैं।

‘कूल’ दिखने की चाह बन रही वजह

युवाओं में धूम्रपान की शुरुआत का बड़ा कारण खुद को आधुनिक और स्टाइलिश दिखाने की मानसिकता बताई जा रही है। कॉलेज और स्कूल स्तर पर कई छात्र-छात्राएं दोस्तों के प्रभाव में सिगरेट या बीड़ी पीना शुरू करते हैं। धीरे-धीरे यही शौक लत में बदल जाता है और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है।

डॉ. समीक्षा साहू, मनोरोग विशेषज्ञ, हमीदिया अस्पताल

## एमजीयू हॉस्पिटल और एमडीसी हॉस्पिटल में एक हजार रक्तदाताओं ने किया रक्तदान ब्रह्मलीन कमलाकांत तिवारी की जन्म जयंती पर विशाल रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

► **हुजूर विधायक रामेश्वर भी कार्यक्रम में विशेष रूप से रहे मौजूद**

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल



मानसरोवर समूह के संस्थापक, जाने-माने शिक्षाविद ब्रह्मलीन कमलाकांत तिवारी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सीहोर स्थित एमजीयू हॉस्पिटल और हिनोतिया आलम स्थित एमडीसी हॉस्पिटल में किया गया। एमजीयू हॉस्पिटल ब्लड बैंक के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में करीब एक हजार लोगों ने ब्लड डोनेट किया।

मानसरोवर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य भी शामिल हुए

मानसरोवर डेंटल कॉलेज प्रांगण स्थित एमडीसी हॉस्पिटल में मुख्य अतिथि हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने मानसरोवर समूह की चॉसलर मंजुला तिवारी और चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ किया गया।

थैलेसीमिया से ग्रस्त बच्चे होंगे लाभान्वित

चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव तिवारी ने बताया कि रक्तदान शिविर से प्राप्त रक्त थैलेसीमिया से ग्रस्त बच्चों को निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। शिविर में करीब एक हजार लोगों के माध्यम से सुरक्षित रक्त लिया गया है। शिविर में मानसरोवर मेडिकल कॉलेज, एमजीयू हॉस्पिटल, एमजीयू हॉस्पिटल, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, मानसरोवर डेंटल कॉलेज, मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद, मानसरोवर नर्सिंग कॉलेज, मानसरोवर पब्लिक स्कूल सहित मानसरोवर समूह के विभिन्न संस्थानों की टीम ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।



हेलिकॉप्टर बुकिंग, होटल और ट्रू पैकेज के नाम पर सोशल मीडिया पर साइबर ठग कर रहे वारदात

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

सावधान: ऑफर देकर चारधाम यात्रा की बुकिंग के नाम पर हो रही ठगी

सुरक्षित यात्रा के लिए यह सावधानियां अपनाएं

► **केवल आधिकारिक वेबसाइट अथवा अधिकृत एजेंसी से ही बुकिंग करें।**  
► **वेबसाइट का यूआरएल और हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल सिक्योर अवश्य जांचें।**  
► **मुगलान से पहले होटल व ट्रू एजेंसी की सत्यता और रिव्यू जांच लें।**  
► **सभी मुगलानों की रसीद और स्क्रीन शॉट सुरक्षित रखें।**

**इससे बचें**  
► **सोशल मीडिया पर दिख रहे सस्ते व लुभावने ऑफर पर तुरंत भरोसा न करें।**  
► **किसी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंक जानकारी साझा न करें।**  
► **क्यूआर कोड स्कैन कर मुगलान अथवा रिफंड स्वीकार न करें।**  
► **गूगल पर मिले हर कस्टमर केयर नंबर पर भरोसा न करें।**

## शानदार प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

कोलार रोड स्थित मानसरोवर पब्लिक स्कूल में आयोजित ‘समर कैंप 2026’ का समापन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कैंप के अंतिम दिन स्विमिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत, डांस, योग, केलीग्राफी आदि में

## मानसरोवर पब्लिक स्कूल में समर कैंप 2026 का हर्षोल्लास के साथ समापन



शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को और प्रशिक्षकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मानसरोवर समूह की कुलाधिपति मंजुला तिवारी, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चॉसलर कर्नल एचआर रुहिल सहित ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

## एलएचबी कोच के साथ दौड़ी श्रीधाम एक्सप्रेस: 1128 लोगों को मिलेगी कंफर्म सीट, वेटिंग की संभावना कम होगी

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में रेलवे लगातार अपने कोच और ट्रेनों को आधुनिक बना रहा है। इसी के तहत शनिवार से भोपाल मंडल से गुजरने वाली जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस को अब एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच के साथ संचालित होने लगी है। जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव का एहसास होने लगा है। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या



12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस 30 मई से जबलपुर से एलएचबी रैक के साथ रवाना की गई। वहीं, गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस 31 मई से

निजामुद्दीन से एलएचबी कोच के साथ संचालित की जाएगी। यह बदलाव भोपाल मंडल के यात्रियों के लिए भी महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि यह ट्रेन इस रूट से होकर गुजरती है। एलएचबी कोच लगने के बाद इस ट्रेन में कुल 1128 आरक्षित बर्थ उपलब्ध है। इनमें प्रथम एसी में 24, द्वितीय एसी में 104, तृतीय एसी में 360, थर्ड एसी इकॉनमी में 80 और स्लीपर क्लास में 560 बर्थ शामिल हैं। इससे यात्रियों को सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी और वेटिंग की समस्या में भी कमी आएगी।

22 कोच, हर वर्ग के यात्रियों के लिए बेहतर विकल्प

नए एलएचबी रैक में कुल 22 कोच होंगे। इसमें प्रथम एसी, द्वितीय एसी, तृतीय एसी, थर्ड एसी इकॉनमी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। साथ ही एक्सप्रेसआरडी और जनरेटर कार भी जोड़ी है।

## यह ट्रेन हुबली से 6 जुलाई और ऋषिकेश से 9 जुलाई से चलेगी

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

गाड़ी संख्या 07363/ 07364 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश-हुबली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब गाड़ी संख्या 17363/ 17364 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश-हुबली साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में नियमित नंबर से चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन हुबली से 6 जुलाई और योग नगरी ऋषिकेश से 9 जुलाई से नियमित नम्बर से चलेगी। गाड़ी संख्या 17363 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 6 जुलाई से प्रत्येक सोमवार को हुबली से शाम 19:45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 21:41 बजे हरदा, 22:55 बजे इटारसी, तीसरे दिन 00:35 बजे रानी कमलापति एवं 03:00 बीना आगमन कर गंतव्य स्टेशन योग की नगरी ऋषिकेश रात 23:30 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 17364 योग नगरी ऋषिकेश-हुबली एक्सप्रेस ट्रेन 9 जुलाई से प्रत्येक गुरुवार योग नगरी ऋषिकेश से सुबह 06:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 00:48 बजे बीना, 02:40 बजे रानी कमलापति, 04:15 बजे इटारसी, 05:05 हरदा आगमन कर तीसरे दिन गंतव्य स्टेशन हुबली सुबह 06:30 बजे पहुंचेगी।

## अब भोपाल मंडल होकर संचालित हुबली-योग नगरी ऋषिकेश स्पेशल ट्रेन नियमित नंबर से चलेगी

बरेली-लोकमान्य तिलक, बरेली-इंदौर एक्सप्रेस में 3 स्लीपर कोच स्थाई रूप से बढ़ाए

भोपाल। रेलवे द्वारा यात्री सुविधा एवं बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाते हैं। इसी क्रम में भोपाल मंडल होकर संचालित बरेली-लोकमान्य तिलक एवं बरेली-इंदौर एक्सप्रेस में दोनों दिशाओं में स्थायी रूप से 03 अतिरिक्त स्लीपर कोच बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 14313 बरेली-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस में 30

मई से, 14314 लोकमान्य तिलक- बरेली एक्सप्रेस में 01 जून से, 14319 बरेली-इंदौर एक्सप्रेस में 03 जून से, 14320 इंदौर-बरेली एक्सप्रेस में 04 जून से कोच बढ़ेंगे। अब दोनों एक्सप्रेस गाड़ियां में निम्नलिखित स्थिति से 04 सामान्य कोच, 01 सेंकड एसी, 03 थर्ड एसी, 10 स्लीपर, 01 जनरेटर कार एवं 01 एएसएलआरडी सहित कुल 20 कोच रहेंगे।

## काचीगुड़ा श्री गंगानगर एक्सप्रेस का अब नियमित नंबर से संचालन करने का लिया गया निर्णय

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा दक्षिण मध्य रेल से संचालित स्पेशल गाड़ी संख्या 07053/07054 काचीगुड़ा-श्री गंगानगर-काचीगुड़ा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन को नियमित करते हुए रेलगुल नम्बर से संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 17601 काचीगुड़ा-श्री गंगानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 25 जुलाई से प्रत्येक शनिवार को काचीगुड़ा से रात 22 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन सोमवार को रात को 21:30 बजे श्री गंगानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन पश्चिम

मध्य रेल के हरदा, इटारसी, भोपाल, कोटा एवं सवाई माधोपुर स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 17602 श्री गंगानगर-काचीगुड़ा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 28 जुलाई से प्रत्येक मंगलवार को श्री गंगानगर से सुबह 6:55 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन गुरुवार को सुबह 7:15 बजे काचीगुड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के सवाई माधोपुर, कोटा भोपाल, इटारसी एवं हरदा से होकर गंतव्य को जाएगी।

# WORLD NO TOBACCO DAY

31 MAY

### तंबाकू से होने वाले प्रमुख नुकसान

|                                                                         |                                                                                             |                                                                                  |                                                                                |
|-------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| <b>यह फेफड़ों को कमजोर करता है जिससे वायरस का संक्रमण गंभीर होता है</b> | <b>सिगरेट, सिगार, बीड़ी, वेप, वाटरपाइप व हुक्का पीने वालों में कोविड-19 का रिस्क ज्यादा</b> | <b>तम्बाकू चबाने व सिगरेट पीने वालों में कोरोना हाथ से मुंह तक पहुंच सकता है</b> | <b>संक्रमित के तम्बाकू चबाने के बाद थूकने पर वायरस कड़ियों को जकड़ सकता है</b> |
|-------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------|

आइए, इस अवसर पर समाज में बढ़ती तंबाकू और धूम्रपान के सेवन की प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए

## RP FOUNDATION के साथ मिलकर

तंबाकू उत्पादों के दुष्परिणामों से सभी को जागरूक करने हेतु संकल्पित हों।

पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल और पीपुल्स कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल में, हमारा तंबाकू मुक्ति केंद्र लोगों को नशे की लत से छुटकारा पाने में और अपना स्वास्थ्य वापस पाने में मदद कर रहा है।

**हमारे तम्बाकू निषेध केंद्र पर जाएँ**

**PCDS & RC | PCMS & RC, पीपुल्स कैंपस भानपुर , भोपाल - 462037 , (म.प्र.)**  
**+91 75544 69813 | sambhav.pcds@peoplesuniversity.edu.in**

# हरिभूमि भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 31 मई 2026

3

सूखीसेवनिया में चार महिलाएं और चार युवक घायल, सिर में कुल्हाड़ी लगाने से एक महिला गंभीर

पानी देने से इंकार करने पर कुल्हाड़ी से आठ लोगों पर जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित नीरजा नगर आंकारा सेवनिया में शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात दंपती ने अपने दोनों बेटों के साथ मिलकर आठ लोगों पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया।

दरअसल, आरोपी पक्ष घायल पक्ष की बोरवेल से पानी भरता था। गर्मी में बोरवेल का पानी कम होने के कारण घायल पक्ष ने उन्हें पानी भरने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर आरोपियों ने घायल पक्ष पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया।

दंपती ने दो बेटों के साथ मिलकर किया हमला



तीन लोगों को इलाज के दौरान छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बोरवेल से पानी भरने के लिए मना किया था

पुलिस के अनुसार मनीष लोधी (35) नीरजा नगर आंकारा सेवनिया में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। मोहल्ले में मंदूलाल लोधी, उसकी पत्नी पाराबाई उनके दो बेटे राजेश लोधी सहित कुष्णा रहते हैं। उनके घर बोर नहीं है और वह मनीष के बोरवेल से पानी भरते हैं। पानी कम होने के कारण चार दिन पहले उन्हें बोर से पानी भरने के लिए मना किया था। इसी बात को लेकर मंदूलाल लोधी का परिवार नाराज था। शनिवार रात मंदूलाल अपनी पत्नी पाराबाई सहित राजेश

और कुष्णा को लेकर घर के सामने पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। उनके पास कुल्हाड़ी थी। उन्हें गाली देने से मना किया। इस पर वह भड़क गए और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

यह भी बताया जाता है कि आरोपी पक्ष की पाराबाई हाथ में मिर्च पाउडर लेकर पहुंची थी। हमले से पहले उसने मिर्च पाउडर फेंका था। इससे घायलों की आंखों में तेज जलन होने लगी। इसके बाद गुस्साए परिवार ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

इन लोगों

को आई चोट जानलेवा हमले में मोनिका बाई को सिर में कुल्हाड़ी लगाने से गंभीर चोट आई है। इनके अलावा, मोनिका बाई, लक्ष्मीबाई, सीमा, धनीराम, सुरेश को भी कुल्हाड़ी लगाने से फैववर हुए हैं।



पुल पातरा से आरा मशीन को हटाने के बाद खाली जमीन।

बैरिकेड्स लगाकर जमीन कवर की जा रही  
मेट्रो: अब शिफ्ट होने लगी  
पुल पातरा से आरा मशीनें

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

एग्जिट प्वाइंट को पूरी तरह से तैयार किया जा रहा

पुराने शहर के पुल पातरा से आरा मशीनों के शिफ्ट होने का काम शुरू हो गया है। जैसे-जैसे जगह खाली हो रही है, मेट्रो प्रशासन द्वारा वहां बैरिकेड्स लगाकर कवर किया जा रहा है।

दरअसल रेलवे स्टेशन से पुल पातरा तक बनी रही टनल का एग्जिट प्वाइंट है। यहां खुदाई के लिए मेट्रो की निर्माणकर्ता एजेंसी ने भारी-भरकम मशीनें पहुंचा दी हैं। टनल बोरिंग मशीन अभी बेहद धीमी गति से चल रही है।

शहर के नालों की सफाई का काम शुरू

जलभराव: भानपुर में नाले के पास बनेगा छोटा नाला



भानपुर नाले की तस्वीर।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

अयोध्या बायपास पर सीवेज नेटवर्क सुधार कार्य शुरू

शहर के अयोध्या बायपास रोड के दोनों तरफ कॉलोनियों में बारिश के दिनों में जलभराव की स्थिति न बने, इसे लेकर निगम ने नालों की सफाई का काम तेज कर दिया है। अधिकांश नालों के गहरीकरण और सफाई का काम पूरा हो चुका है, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा नई सड़क एवं पुल निर्माण कार्य के चलते भानपुर में नाले का काम नहीं हो सका।

बारिश में जलभराव की स्थिति न हो इसे देखते हुए नाले के समीप ही छोटा नाला बनाया जा रहा है, ताकि पानी की निकासी बिना रुकावट के हो सके। इसके लिए खुदाई का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर अयोध्या बायपास रोड पर सीवेज नेटवर्क को सुधारने का काम भी शुरू हो गया है।

आरोपी मां-बेटे कानून के गहरे जानकार  
पूर्व जज गिरिबाला से सच उगलवाने  
सीबीआई का 'त्रिस्तरीय चक्रव्यूह'



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

द्वीशा शर्मा डेथ केस में सीबीआई आरोपी पूर्व जज गिरिबाला, उनके वकील बेटे समर्थ को रिमांड पर लेकर सीबीआई सच तक पहुंचने के लिए खास रणनीति पर काम कर रही है। चूंकि दोनों आरोपी कानून के गहरे जानकार हैं, इसलिए सीबीआई ने 'त्रिस्तरीय व्यूह' तैयार किया है।

सीबीआई के वकील ने अदालत को बताया कि समर्थ बयानों को बदल रहा है। सच्चाई तक पहुंचने सीबीआई ने तीन स्तर पर पूछताछ की योजना बनाई है। जिसमें एकांत में पूछताछ, वैज्ञानिक क्रॉस चेंकिंग, आमने-सामने पूछताछ शामिल है।

हाई-प्रोफाइल मामले में  
कोर्ट को लेकर फंसा पेंच

इस हाई-प्रोफाइल मामले में एक और पेंच कोर्ट को लेकर फंसा है। भोपाल में सीबीआई मामलों के लिए अलग से अधिसूचित कोई विशेष अदालत नहीं है। यहां संचालित विशेष सीबीआई कोर्ट मुख्य रूप से आर्थिक अपराधों से जुड़े प्रकरणों की ही सुनवाई करती है। द्वीशा शर्मा मामले की नियमित सुनवाई किस अदालत में होगी, इस पर मंथन जारी है। इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि केस की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार को जल्द ही विशेष अदालत का प्रावधान करना पड़ सकता है। फिलहाल सीबीआई गिरिबाला और समर्थ से सच उगलवाने में जुटी है।

रात साढ़े 12 बजे अचानक उठने लगी आग की लपटें, 9 घंटे बाद भी उठता रहा धुआं

गोविंदपुरा की फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग, रात भर धधकी फैक्ट्री, लकड़ी, केमिकल, थिनर से हुई बेकाबू

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शुक्रवार को रात करीब साढ़े बारह बजे गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के 7-डी सेक्टर में स्थित फर्नीचर की फैक्ट्री में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन इसकी सूचना नगर निगम के फायर कंट्रोल को दो घंटे बाद यानि रात ढाई बजे मिली। तब तक पूरा परिसर आग की जद में आ चुका था, बल्कि आसपास कारखानों में हड़कंप मचा हुआ था। निगम को सूचना मिलने पर शहरभर के फायर स्टेशनों से दमकलें पहुंचना शुरू हुई और मौके पर फायर ब्रिगेड के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 50 से ज्यादा कर्मचारी भी पहुंचे और रात भर आग पर काबू पाने में जुटे रहे। करीब 9 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इसके बावजूद सुबह 9 बजे तक घटना स्थल से धुआं उठता रहा। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निगम के फायर कंट्रोल को दो घंटे देरी से मिली सूचना, समय पर सूचना नहीं मिलने से आग पर काबू पाने करनी पड़ी मशक्कत

►►गोविंदपुरा

इंडस्ट्रियल एरिया में शुभम एंटरप्राइजेस फैक्ट्री में आगजनी



शुक्रवार देर रात लगी भीषण आग से पूरी फैक्ट्री जलकर खाक हो गई।



आग लगने से करोड़ों रुपए का नुकसान

आग की सूचना मिलने पर गांधीनगर, गोविंदपुरा, कोलार, बैरागढ़, फतेहगढ़, आईएसबीटी, कबाड़खाना फायर स्टेशन से दमकलें और पानी के टैंकर पहुंचे। सुबह 9 बजे आग पर काबू पाने के लिए एहतियातन दमकलें खड़ी की गई हैं। आग लगने से करोड़ों रुपए का नुकसान का अनुमान है।

नगर निगम के 50 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी रहे मौजूद

निगम के फायर अधिकारी सौरभ पटेल, फायर फाइटर पंकज यादव, सहायक प्रभारी विजय त्रिपाठी सहित निगम के 50 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी रातभर घटना स्थल पर मौजूद रहे।



पानी की बोझार डालकर आग बुझाती फायर ब्रिगेड की टीम।

फैक्ट्री में बनते हैं प्लाईवुड, दरवाजे-ब्लैकबोर्ड

गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में शुभम एंटरप्राइजेस नामक फैक्ट्री में प्लाईवुड, दरवाजे-ब्लैकबोर्ड बनते हैं। कारखाने में कई टन लकड़ी, केमिकल, थिनर आदि भरा हुआ था। इससे आग ज्यादा भयंकर गई। देरी से निगम को सूचना मिली, लेकिन मौके पर पहुंचकर आसपास के कारखानों में आग न पकड़ ले, इसके लिए बिल्डिंग के स्ट्रक्चर को तोड़ा गया और कनेक्टिंग प्वाइंट पर लगातार पानी डाला गया। उसके बाद परिसर में आग पर काबू पाया जा सका।



लंबित शिकायतों का निराकरण नहीं होने पर कार्रवाई  
हबीबगंज थाने के चौदह पुलिसकर्मियों पर दो-दो हजार रुपए का लगाया जुर्माना

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

हबीबगंज थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक मुक्ता शर्मा, कार्यवाहक निरीक्षक नारायण सिंह ठाकुर, कार्यवाहक निरीक्षक अखिलेश त्रिपाठी सहित 14 पुलिसकर्मियों को दो-दो हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। यह आदेश पुलिस उपायुक्त जोन-1 अखिपटेल द्वारा जारी किया गया।

आदेश में उल्लेखित है कि दंडित पुलिसकर्मी लंबित शिकायतों के निराकरण में रुचि नहीं दिखा रहे थे। इन्हें समय-समय पर निर्देशित किया गया, लेकिन लंबित प्रकरणों में कोई रुचि न दिखाते हुए लापरवाही और उदासीनता बरती गई। लापरवाही बरतने के कारण उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा गया, लेकिन वे स्पष्टीकरण भी नहीं दे सके। लिहाजा पुलिस उपायुक्त जोन वन द्वारा इन्हें दो दो हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

जयपुर और कोलकाता उड़ान की भोपाल में लैंडिंग

संतनगर। देश में चल रहे ख़राब मौसम का असर भोपाल की उड़ानों पर भी पड़ रहा है। यहां पर राजस्थान की दो फ्लाइट को डाइवर्ट किया गया और दोपहर में आने कुछ देर रुकने के बाद वापस भेज दिया गया। बेंगलुरु-जयपुर और कोलकाता-जयपुर फ्लाइट्स को राजा भोज एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां पर इमरजेंसी लैंडिंग की सुविधा दी गई। इसके बाद सकुशल विमानों की लैंडिंग हुई और कुछ देर रुकने के बाद मौसम साफ होने पर उन्हें वापस रवाना किया गया।

16 जून से विद्यालयों में विशेष गतिविधियां होंगी  
स्कूल चलें हम अभियान में चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम से बच्चों की निगरानी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

प्रदेश के स्कूलों में स्कूल चलें हम अभियान का दूसरा चरण 16 जून से शुरू होगा। अभियान के दौरान सबसे अधिक फोकस ड्राप आउट बच्चों को फिर विद्यालय से जोड़ने और शाला प्रारंभ उत्सव मनाए जाना होगा।

खास बात यह भी है स्कूल चलें अभियान के लिए चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम की सहायता ली जाएगी। हमारे शिक्षक एप से चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम का उपयोग कर विद्यालय से

बाहर बच्चों की निगरानी की जाएगी। शाला प्रबंधन समिति और स्कूल प्रबंधन एवं विकास समिति की बैठकें कर नाम लिखवाने वाले बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई जाएगी।

अब स्कूली पुस्तकों की होगी ऑनलाइन एंट्री

अभियान के दौरान विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तक वितरण करने, पुस्तकों की ऑनलाइन एंट्री करने और पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता पर फीडबैक दर्ज करने के निर्देश हैं।

भोपाल में साफ-सफाई के रियल-टाइम फोटो और वीडियो सीधे मेन सर्वर पर किए अपलोड

शहर भर के करीब 238 लोकेशन पर सर्वे किया

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी में बोते दस दिनों से चल रहे स्वच्छता सर्वे शुक्रवार को पूरा हो गया और शनिवार को छह सदस्यीय टीम के दिल्ली वापस जाने की खबर है। हालांकि सर्वे के तहत बैरिसिया में शनिवार को टीम पहुंचना थी, लेकिन टीम दिल्ली चली गई। जबकि बैरिसिया के सर्वेक्षण पर भोपाल की रैकिंग पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

भोपाल में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की शुरुआत 20 मई से हुई थी। इसे 30 मई तक हर हाल में पूरा करना था। टीम ने सर्वे के दौरान बदले हुए सर्वे पैटर्न के तहत साफ-सफाई की स्थिति और कचरा प्रबंधन सिस्टम का जायजा लिया और शहर भर के करीब 238 लोकेशन पर सर्वे किया। नगर निगम प्रशासन की ओर से टीम के वापस दिल्ली पहुंचने और बैरिसिया का सर्वे होने या नहीं होने पर किसी भी तरह की पुष्टि नहीं की गई। हालांकि माना यह भी जा रहा है कि शनिवार को टीम के दो सदस्य ही दिल्ली रवाना हुए हैं। चार सदस्य बैरिसिया के सर्वेक्षण के बाद जाएंगे, क्योंकि उक्त टीम को दूसरे शहरों में भी सर्वे के लिए पहुंचना है।



फाइनल फोटो

बिना किसी पूर्व सूचना के सर्वेक्षण करने पहुंचे सदस्य

इस साल केंद्रीय आवासन और शहरी मामलों के मंत्रालय ने अचानक किए जाने वाले और पूरी तरह से डिजिटल इम्पेक्शन मॉडल को अपनाया। तीन टीमों ने जिनमें से हर एक में दो सदस्य थे, झीलों, रेलवे स्टेशनों, फ्लाईओवर, कचरा ड्रिपिंग साइट, ट्रांस्फर स्टेशनों और कचरा दोबारा इस्तेमाल करने वाले केंद्रों पर बिना किसी पूर्व सूचना के इम्पेक्शन किया, ताकि जमीन पर दिखाई देने वाली असल साफ-सफाई का जायजा लिया जा सके।

जमीन पर दिखने वाली साफ-सफाई और लोगों की भागीदारी को अधिक अहमियत

अधिकारियों ने मंत्रालय द्वारा दिए गए टेबलेट का इस्तेमाल करके तस्वीरें और वीडियो सीधे दिल्ली में मौजूद सेंट्रल सर्वर पर उसी समय अपलोड किए, जिससे डेटा में हेरफेर या पहले से की गई तैयारियों की गुंजाइश कम हो गई। सर्वे में इस बार कई बदलाव किए गए, जिसमें कागजी कार्रवाई पर बहुत

रैकिंग की घोषणा जुलाई में होगी

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए कुल अंकों को 10,000 से बढ़ाकर 10,500 कर दिया गया है, जिसमें लोगों के फीडबैक के लिए 1,000 अंक रखे गए हैं। अंतिम रैकिंग और पुरस्कारों की घोषणा जुलाई में होने की उम्मीद है। जबकि अभी शहर में वाटर प्लस की टीम आना बाकी है जो शहर की वाटर बोर्ड को परखेगी।

अजंता®  
AJANTA  
ESTD. 1949

fssai ISO 20022 ISO 5346 CMIL-1465374

AJANTA BAKING POWDER

Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com

प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर और बिजनेस कोच उज्ज्वल पाटनी की-नोट सेशन आज 4 बजे

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेगा करियर गाइडेंस कार्यक्रम करियर नेक्स्ट – करियर डिस्कवरी इंडस्ट्री बूट कैंप का शनिवार को मैरियट होटल भोपाल में भव्य शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को एआई, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, एनीमेशन, डिजाइन, मीडिया, उद्यमिता एवं अन्य आधुनिक

क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर संभावनाओं से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें इंडस्ट्री नेटवर्किंग, कैरियर काउंसलिंग एवं विशेषज्ञों से सीधे संवाद का अवसर भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। नेक्स्ट वेव टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट यशवंत पदकांति, सीआईआई के संजय खंडूजा, लिविंग लैब इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर हेमंत गुप्ता, ग्रांट थॉर्नटन के डॉ. विनय कुमार, आईएमवैचर्स के सीईओ आलाप घोष, एमएसआईडी, मुंबई के वाइस प्रेसिडेंट जोशुआ न्यूमैन तथा रिलायंस एंटरटेनमेंट से जुड़े सदीप शेट्टी ने विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं, उभरते करियर विकल्पों और सफलता के लिए आवश्यक कौशलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

तकनीक हर उद्योग का आधार

नेक्स्ट वेव टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट यशवंत पदकांति ने कहा कि आज तकनीक हर उद्योग का आधार बन चुकी है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रहकर नई तकनीकों, डिजिटल स्किल्स और व्यावहारिक अनुभवों पर भी ध्यान देना चाहिए। जो युवा लगातार सीखने और स्वयं को अपडेट रखने के लिए तैयार हैं, उनके लिए टेक्नोलॉजी क्षेत्र में असीम कैरियर अवसर उपलब्ध हैं।



करियर गाइडेंस कार्यक्रम में जानकारी लेते विद्यार्थी।

**कौशल विकास से सफलता के नए द्वार खुलते हैं:** सीआईआई के संजय खंडूजा ने कहा कि इंडस्ट्री आज ऐसे युवाओं की तलाश में है, जो समस्या समाधान, नवाचार और नेतृत्व क्षमता जैसी कौशलों से लैस हों। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग की आवश्यकताओं को समझने और स्वयं को उसके अनुरूप तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए। सही मार्गदर्शन और कौशल विकास से सफलता के नए द्वार खुलते हैं।

अभ्यास और निरंतर सीखना सफलता की कुंजी है

रिलायंस एंटरटेनमेंट से जुड़े संबीप शेट्टी ने कहा कि एनीमेशन, मीडिया और कंटेंट क्रिएशन का क्षेत्र युवाओं के लिए तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल है। यदि विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता को तकनीकी कौशल के साथ जोड़ते हैं, तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट अवसर प्राप्त कर सकते हैं। जुनून, अभ्यास और निरंतर सीखना इस क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि कैरियरनेक्स्ट का उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर संबंधी सही मार्गदर्शन प्रदान करना और उन्हें उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ना है, ताकि वे अपने भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले सकें।

ड्रीम करियर टू ड्रीम लाइफ विषय पर विशेष मार्गदर्शन

रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों के लिए केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं, बल्कि उद्योग आधारित कौशल और व्यावहारिक अनुभव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यह कार्यक्रम युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम का दूसरा दिन 31 मई को भी जारी रहेगा, जिसमें देश के प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, बेस्टसेलिंग ऑथर एवं बिजनेस कोच डॉ. उज्ज्वल पाटनी विद्यार्थियों को “ड्रीम करियर टू ड्रीम लाइफ” विषय पर विशेष मार्गदर्शन देंगे। उनके प्रेरणादायक सत्र का विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बेसभी से इंतजार है।

खबर संक्षेप

**अंतरराष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुरुगेसन की जमानत याचिका खारिज भोपाल।** मप्र में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय कछुआ तस्कर मुनीब्रम मुरुगेसन की जमानत याचिका को सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली ने निरस्त कर दिया है। इसी क्रम में थाईलैंड सरकार से प्रत्यर्पण की स्वीकृति मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय तस्कर मुनीब्रम मुरुगेसन को भारत लाया गया। वर्तमान में वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में निरुद्ध है। मुरुगेसन के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव तस्करी के कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

**दाहोद डैम में डूबने से नाबालिग की मौत औबेदुल्लागंज।** नूरगंज अंतर्गत दाहोद डैम में दूसरे दिन फिर एक नाबालिग का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लगातार दो दिनों में दो शव मिलने के बाद पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार पहले दिन मंडीदीप निवासी एक युवक का शव डैम में मिला था, वहीं दूसरे दिन औबेदुल्लागंज निवासी शिवम खरे, नाबालिग का शव बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि नाबालिग अपने चार दोस्तों के साथ डैम में नहाने गया था, तभी शव फिसलने से वह गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद उसके साथ गए चारों दोस्त मौके से भाग गए। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी तथा पूरे मामले की जांच जारी है।

हरजीत सिंह स्थाई आमंत्रित सदस्य नियुक्त

**औबेदुल्लागंज।** जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल विधायक सिलवानी ने औबेदुल्लागंज के हरजीत सिंह मंगू को जिला समिति ने स्थाई आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। हरजीत सिंह मंगू की नियुक्ति पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, सूरजमल गौर, डॉ. नंदू नागर, संतोष सेन, साधु गौर, जमुना राजपूत, बसंत साहू, संजय सिंह चौहान, विनोद इरपाचे, राजेश खदीक, बसंत साहू, महेश जैन, भौनी नागर, पंकज शर्मा, परेश नागर आदि ने बधाई दी।

फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी करने वाला दोषमुक्त

**भोपाल।** फर्जी वेबसाइट बनाकर अखबारों में विज्ञापन देकर ठगी करने वाले आरोपी प्रतीक कुमार भारद्वाज और मनोज चौरसिया को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जयदीप मौर्य ने साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया है। मामले में आरोपियों की ओर से अधिवक्ता पंकज कुलश्रेष्ठ ने पैरवी की थी। फरियादी प्रकाश अग्रवाल की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने 4 अप्रैल 2016 को आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जिला न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

| थुगोंक  |      |    |     |
|---------|------|----|-----|
| कल्याण: | 1736 |    |     |
| दिन:    | 44   | 95 | 780 |
| रात:    | 239  | 45 | 267 |
| तारा:   |      |    |     |
| दिन:    | 233  | 87 | 458 |
| रात:    | 479  | 03 | 157 |

थाने में घुसकर बचाई जान, मंगलवारा थाने के सामने की घटना, बलवान-मारपीट का मामला दर्ज

घर के सामने लोडिंग वाहन खड़ा करने पर विवाद, ट्रांसपोटर्स ने वकील पर किया हमला

आरोपियों ने वकील को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, कपड़े भी फाड़े

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल



फाइल फोटो

मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित जैन मंदिर के सामने शुक्रवार रात घर के सामने लोडिंग वाहन खड़ा करने को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद आधा दर्जन ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने वकील पर हमला कर दिया। आरोपियों ने वकील को दौड़ा दौड़ाकर पीटा। किसी तरह वकील बचते हुए मंगलवारा थाने में घुसे और अपनी जान बचाई। स्थानीय रहवासियों में घटना को लेकर आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अवैध रूप से संचालित हो रहे ट्रांसपोर्ट से घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। पुलिस ने वकील की शिकायत पर बलवा, मारपीट व अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मंगलवारा थाने के पास जैन मंदिर रोड पर रहने वाले कृष्ण मोहन गुप्ता (52) प्राइवेट जॉब करने के साथ-साथ भोपाल कोर्ट में वकालत भी करते हैं। उनके घर के पड़ोस में श्री पंकज नाम से ट्रांसपोर्ट है। कृष्ण मोहन अपनी कार घर के सामने खड़ी करते हैं। शुक्रवार रात करीब पौने 8 बजे ट्रांसपोर्ट कारोबारी शैलेन्द्र प्रधान और उसके भाई मुकेश प्रधान ने अपना लोडिंग वाहन कृष्ण मोहन गुप्ता

के घर के सामने खड़ा कर दिया। कृष्ण मोहन ने ट्रांसपोर्ट को लोडिंग वाहन वहां से हटाने के लिए कहा, तो शैलेन्द्र व मुकेश ने इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। विवाद बढ़ने पर शैलेन्द्र व मुकेश ने अपने मैनेजर व अकाउंटेंट समेत करीब आधा दर्जन लोगों के साथ मिलकर कृष्ण मोहन गुप्ता की पिटाई लगा दी। उनके कपड़े फाड़ दिया। मारपीट में अधिवक्ता के शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं। फरियादी का कहना है कि उन्होंने मंगलवारा थाने में घुसकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने अधिवक्ता की शिकायत पर शैलेन्द्र प्रधान, मुकेश प्रधान, संतोष मिश्रा, आकाश व उनके साथियों के खिलाफ बलवा व मारपीट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। थाना प्रभारी अजय सोनी का कहना है कि आरोपी फरार हैं, तलाश की जा रही है। फरियादी का कहना है कि दशक भर पहले ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को कोकता शिफ्ट कर दिया गया है। इसके बाद भी इतवारा व मंगलवारा में बड़ी संख्या में अवैध रूप से ट्रांसपोर्ट कारोबार संचालित किया जा रहा है।

महामृत्युंजय मंदिर में मंजरी प्रिया के मुखारबिंद से बह रही ज्ञान की गंगा

भगवान वराह अवतार और भगवान कपिल मुनि की माता देवहूति को दिए दिव्य ज्ञान का किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

विजय नगर, लालघाटी स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा व्यास साध्वी मंजरी प्रिया ने श्रीमद्भागवत महापुराण के तृतीय स्कंध के महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए भगवान वाराह अवतार तथा भगवान कपिल मुनि द्वारा माता देवहूति को दिए गए दिव्य ज्ञान का रसपूर्ण वर्णन किया।

समिति के मुख्य सलाहकार इंद्रदास मेंघानी व आयोजक आनंद सबधानी ने बताया कि शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर भजनों पर खूब झूमें। साध्वी मंजरी प्रिया ने भगवान वाराह अवतार का वर्णन करते हुए बताया कि सृष्टि के प्रारंभ में दैत्य हिरण्यakash ने अपने बल और अहंकार के प्रभाव से पृथ्वी को रसातल में डुबो दिया था। तब भगवान विष्णु ने वाराह रूप धारण पृथ्वी माता समुद्र से निकालकर पुनः स्थापित किया।



कथा में भगवन के दौरान नृत्य करती महिलाएं।

**भगवान की निष्काम भाव से भक्ति जन्म-मरण से दिलाती है मुक्ति**

कथा में आगे भगवान कपिल मुनि एवं माता देवहूति के संवाद का वर्णन करते हुए साध्वी मंजरी प्रिया जी ने कहा कि भगवान कपिल ने अपनी माता को संख्य योग, आत्मज्ञान एवं भक्ति मार्ग का उपदेश दिया था। उन्होंने बताया कि मनुष्य यदि अपने मन को भगवान की भक्ति में लगाकर निष्काम भाव से कर्म करे तथा विषय-विकारों से दूर रहे, तो वह जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर परमात्मा की प्राप्ति कर सकता है। सच्ची भक्ति, सत्संग एवं आत्मचिंतन ही जीवन को सफल और सार्थक बनाते हैं।

नगर परिषद के पार्षदों ने जताई चिंता, खींचतान में नगर के विकास की गति हुई प्रभावित

औबेदुल्लागंज को इंदौर मॉडल जैसा विकसित करने के लिए सभी पार्षदों से एकजुट होने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

नगर परिषद चुनाव में अब करीब 10 महीने शेष रह गए हैं। ऐसे में नगर के विकास, स्वच्छता और जनअपेक्षाओं को लेकर नगर परिषद की उपाध्यक्ष नमिता बागिश अग्रवाल, पार्षद दीपू परमार एवं वार्ड 2 की पार्षद भारती नरेश सेठी ने चिंता व्यक्त करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है।

तीनों जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र पटवा का सपना औबेदुल्लागंज को इंदौर की तर्ज पर सुंदर, स्वच्छ और विकसित नगर बनाना रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर लगभग चार वर्ष पूर्व जेबी गार्डन में नगर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में नगर विकास की एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई थी।



बैठक में चर्चा के दौरान विकास की उन्मीद जगी थी

बैठक में पार्षदों के साथ नगर परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि उस समय नगरवासियों में यह उन्मीद जगी थी कि विधायक की सोच के अनुरूप नगर परिषद कार्य करेगी और सभी 15 पार्षद मिलकर नगर में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों को गति देंगे, लेकिन कुछ समय बाद नगर परिषद में आपसी खींचतान शुरू हो गई।

समय कम है, जनता की समस्याओं को समझना चाहिए

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि अब समय कम बचा है और सभी पार्षदों को मिलकर प्रत्येक वार्ड में जाकर जनता की समस्याओं को समझना चाहिए तथा उनकी अपेक्षाओं पर ध्यान देकर काम करना चाहिए। उनका मानना ​​है कि शेष कार्यकाल में यदि सभी जनप्रतिनिधि एकजुट होकर काम करें, तो नगर में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष से पार्षदों ने किया आग्रह

नया उपाध्यक्ष नमिता बागिश अग्रवाल, पार्षद दीपू परमार एवं पार्षद भारती नरेश सेठी ने नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे से आग्रह किया है कि वे सभी मतभेद भुलाकर पार्षदों को एक मंच पर लाएं और नगर के विकास तथा स्वच्छता के लिए सामूहिक प्रयास सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विधायक सुरेंद्र पटवा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में यदि सभी जनप्रतिनिधि एकजुट होकर कार्य करें तो औबेदुल्लागंज को इंदौर मॉडल की तर्ज पर विकसित करने का सपना साकार किया जा सकता है।

पुलिस को जांच में नहीं मिला सुसाइड नोट

शादी के 4 साल बाद नव विवाहिता ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित ईस्टर्न काउंटी कॉलोनी मिसरोद में शनिवार सुबह एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मार्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूरी भेज दिया है।

रविवार को शव का पीएम कराया जाएगा। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मार्ग डायरी एसीपी मिसरोद को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार रोशनी पति विजय वाल्मीकि (23) ईस्टर्न काउंटी कॉलोनी मिसरोद में

रहती थी। मूलतः सुभाष नगर गोविंदपुरा निवासी रोशनी की शादी चार साल पहले विजय वाल्मीकि से हुई थी। विजय वाल्मीकि सफाईकर्मी है और पत्नी के साथ किराए के मकान में रहता था। उसने पुलिस को बताया कि रोशनी ने शनिवार सुबह अपने कमरे में फांसी लगा ली। पुलिस घटनास्थल पर एफएसएल की टीम के साथ पहुंची और निरीक्षण कराया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि पति-पत्नी के बीच होने वाले विवाद के कारण रोशनी ने फांसी लगाई है।



फाइल फोटो

परवलिया इलाके में भी छिपाई कफ सिरप

नशीला कफ सिरप से जुड़े आरोपी 5 दिन की रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित पटेल सिटी कॉलोनी में नशीला कफ सिरप की पैकिंग कर उसकी सप्लाई करने वाले सात आरोपियों को एसटीएफ ने पांच दिन की रिमांड पर लिया है। मैनेजर सहित एक अन्य आरोपी से पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने दावा किया है कि पूछताछ के बाद कुछ अहम जानकारी मिली है।

टीम पूछताछ के बाद शनिवार देर रात परवलिया सड़क इलाके में दबिश देगी। इससे कफ सिरप की जब्ती बढ़ सकती है। अभी तक एसटीएफ ने पटेल सिटी कॉलोनी स्थित मकान से 49920 शीशी बरामद की है। इसकी कीमत 1 करोड़ 33 लाख रुपए के आसपास है। यदि और कफ सिरप की जब्त होती है, तो यह आंकड़ा बढ़ सकता है। एसटीएफ ने मकान मालिक को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। एसटीएफ जांच के बाद मकान मालिक पर भी कार्रवाई कर सकती है।

नाबालिगों से क्या रहे थे पैकिंग

एसटीएफ की पूछताछ में पता चला कि नाबालिगों से यहां कफ सिरप की पैकिंग कराई जा रही थी। उन्हें वेतन पर रखा गया था। नाबालिगों को पता नहीं था कि वह अवैध कारोबार से जुड़ी हूय हैं। उल्लेखनीय है कि यह कफ सिरप दवा के लिए कम और नशे के लिए ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि नशीला कफ सिरप आसपास के गांवों में सप्लाई किया जाता था।

घर से बुलाकर ले गया दोस्त देर रात चाकू से गोदा, मौत

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इतवारा रोड पर गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात विवाद के बाद एक युवक पर उसके दोस्त ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया। पेट, सीना व चेहरे समेत शरीर के करीब आधा दर्जन जगहों पर गंभीर चोट आने के कारण युवक को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टर का कहना है कि अधिक खून बहने से मौत हुई है।

वारदात के बाद से आरोपी फरार है। मृतक के परिजनों का कहना है कि आरोपी ही घर से उनके बेटे को बुलाकर ले गया था। पुलिस ने मामले में हत्या का प्रयास का प्रकरण दर्ज किया था। युवक की मौत के बाद हत्या की धारा बढ़ाई जा रही है। पुलिस के मुताबिक मोतीलाल नगर पुलिया के पास करोंद निवासी मुईन खान पिता जहीर खान (19) बैट्री आंदो चलाता था। विगत गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात साजिद नामक उसका दोस्त उसे घर से बुलाकर ले गया था। रात करीब तीन बजे दोनों कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इतवारा रोड पहुंचे। वहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। उसी दौरान साजिद ने अपनी जेब से चाकू निकालकर मुईन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

शरीर के आधा दर्जन जगहों पर आई चोट

पुलिस का कहना है कि पेट, छाती, चेहरा व पीठ समेत करीब आधा दर्जन जगहों पर मुईन को गंभीर चोटें आई थी। सूचना मिलने पर पुलिस जब तक मौके पर पहुंची, वहां मौजूद लोगों ने उसे हमीदिया अस्पताल रवाना कर दिया। घटना के बाद से होश में नहीं आने के कारण मुईन के बयान नहीं हो सके थे। पुलिस को मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज मिले थे। फुटेज में मुईन व साजिद बात करते नजर आ रहे हैं। तभी अचानक विवाद पर साजिद चाकू से हमला कर देता है और घटनास्थल से फरार हो जाता है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की सरगमी से तलाश की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि विवाद किस वजह से हुआ था।



नई दिल्ली में राष्ट्रीय महोत्सव में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार ने हिन्दी के पहले समाचार पत्र ‘उदन्त मार्तण्ड’ और उसके सम्पादक युगल किशोर शुक्ल के सम्मान में एक स्मृति डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण जारी किया। संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) तथा माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में यहां आईजीएनसीए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ‘हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल की महागाथा’ ग्रंथ का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभकामना संदेश भेजा, जिसे आईजीएनसीए के अध्यक्ष ‘पद्म भूषण’ रामबहादुर राय ने पढ़कर सुनाया।

राय आयोजन की अध्यक्षता कर रहे थे। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 1826 में ‘उदन्त मार्तण्ड’ के प्रकाशन के साथ आरम्भ हुई हिन्दी पत्रकारिता की द्विशताब्दी की यात्रा का यह अहम पड़ाव भारत की चेतना, विचार और जनजागरण का उत्सव है।

हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी पर जारी हुआ स्मारक डाक टिकट

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा – हिन्दी पत्रकारिता की द्विशताब्दी भारत की चेतना विचार और जनजागरण का उत्सव

‘हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा’ सहित तीन पुस्तकों का विमोचन, ऐतिहासिक प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र



भारत की वैचारिक चेतना का उत्सव

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, यह अतिथ्योचित नहीं होगी, अगर हम कहें कि पत्रकारिता के इतिहास की गाथा भारत के इतिहास की भी गाथा है। आज का आयोजन भारत की वैचारिक चेतना का उत्सव है। उन्होंने कहा, पत्रकारिता कोई पेशा नहीं है, यह राष्ट्र चेतना का आंदोलन है। श्री सिंधिया ने पत्रकारिता में अपने पूर्वजों के योगदान का भी स्मरण किया।

‘हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा’

आयोजन में ‘हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा’ का विमोचन भी हुआ। ‘पद्म श्री’ विजयदत्त श्रीधर और डॉ. सच्चिदानंद जोशी द्वारा संपादित यह ग्रंथ हिन्दी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की व्यापक यात्रा का दस्तावेज है। इस पुस्तक में हिन्दी पत्रकारिता के 30 दिग्गजों के लेख शामिल हैं, जो हिन्दी पत्रकारिता के विविध पक्षों के उद्भव, विकास और वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हैं। इसके साथ ही, कार्यक्रम के दौरान डॉ. श्रीकांत सिंह की पुस्तक ‘हिन्दी पत्रकारिता के हिन्दीतर उन्नायक’ का भी लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक में गैर-हिन्दीभाषी क्षेत्रों के पत्रकारों के हिन्दी पत्रकारिता में योगदान के बारे में बताया गया है।

200 वर्षों की यात्रा को विव्रित करने वाली प्रदर्शनी कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यात्रा को चित्रित करने वाली विशेष प्रदर्शनी रही। प्रदर्शनी में हिन्दी के अग्रणी समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा युगनिर्माता संपादकों के दुर्लभ चित्र और ऐतिहासिक दस्तावेज प्रदर्शित किए गए। आगंतुकों ने ‘उदन्त मार्तण्ड’ से लेकर समकालीन पत्रकारिता तक की विकास-यात्रा को एक ही स्थल पर देखने का अवसर प्राप्त किया। प्रदर्शनी ने पत्रकारिता के इतिहास में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों, पत्रकारों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

लोकतंत्र है तो पत्रकारिता है: राय

अध्यक्षीय उद्बोधन में रामबहादुर राय ने कहा, लोकतंत्र है, तो पत्रकारिता है। अकेले पत्रकारिता नहीं हो सकती। उन्होंने सवाल उठाया कि जो भी ऊटपटांग बातें सोशल मीडिया पर चलाई जाती हैं, क्या वो खबर है? इसका उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर जो भी लिखा जा रहा है, वह सब खबर नहीं है। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए श्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा, हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा प्रतियोग की यात्रा है।

‘दहा’ और ‘विद्यार्थी’ को किया याद

आशीष वक्तव्य में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र ने दहा माखनलाल चतुर्वेदी और गणेश शंकर विद्यार्थी को याद करते हुए कहा, उस समय पत्रकारिता में ऐसे-ऐसे लोग थे जिन्होंने देश को सबसे आगे रखा सर्वस्व अर्पण कर दिया। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव, शिक्षाविद, साहित्यकार डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने आयोजन का प्रस्ताव वक्तव्य दिया।

ग्लोबल स्किल पार्क कौशल प्रशिक्षण से युवा लाभान्वित

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क कौशल विकास की उस नई कार्य संस्कृति का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जहां प्रशिक्षण केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में संस्थान के बैच-9 के तीन विद्यार्थियों का चयन हंगरी में औद्योगिक समूह एसआरएफ लिमिटेड में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन शुरू कर चुके हैं। विद्यार्थियों में एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थी लकी साहू तथा एडवांस्ड मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेज कोर्स के विद्यार्थी रौशन कुमार और मयंक जागिड़ शामिल हैं।

मन की बात कार्यक्रम के 134वें संस्करण का आयोजन आज

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 134 वें संस्करण का प्रसारण 31 मई को सुबह 11 बजे से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को बृथ क्रमांक 258, जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय महाविद्यालय, शुजालपुर में कार्यक्रम का श्रवण करेंगे।

क्षेत्र की आधारभूत दिक्कतों से कराया अवगत

हरिभूमि ॥भोपाल

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-57 की विभिन्न समस्याओं को लेकर पार्षद सुरेंद्र वाडिका ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश सरकार की मंत्री व क्षेत्रीय विधायक कृष्णा गौर को एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में पिपलिया एम्स के अंदर स्थित विश्राम घाट की व्यवस्था सुधारने, वार्ड की विभिन्न सड़कों व पिपलिया के मोहल्लों में सीमेंट कंक्रीट रोड निर्माण कराने की मांग की गई है। इसके अलावा अलकापुरी में पार्क निर्माण, हबीबगंज शासकीय हाई स्कूल में शोध, टॉयलेट निर्माण व मरम्मत कार्य तथा विश्वकर्मा नगर में सुलभ कॉम्प्लेक्स बनवाने की बात ज्ञापन में कही है।

अफसरों की रात्रि चौपाल का ढाई साल का लेखा-जोखा आया सामने

39 जिलों के कलेक्टरों ने गांव में रात्रि विश्राम कर सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद प्रदेश में अफसरों की रात्रि चौपाल का ढाई साल का लेखा-जोखा सामने आया है। जिन वरिष्ठ अफसरों प्रमुख सचिवों, सचिवों को जिले आवंटित किए गए थे, उनमें से इक्के दुक्के भी जिलों में नहीं पहुंचे। हालांकि 39 जिलों के कलेक्टरों ने गांवों में रात्रि विश्राम कर जरूर जनसमस्याएं सुनीं, जबकि 16 जिलों के कलेक्टर और संभागों के प्रभारी अभी भी फील्ड से दूरी बनाए हुए हैं।

करीब ढाई साल पहले 26 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभागों के प्रभारी एसएस और एडीजी की बैठक ली थी। इसमें साफ निर्देश दिए गए थे कि सभी अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय के साथ फील्ड में भी पर्याप्त समय दें। गांवों में रात्रि विश्राम कर जनता से सीधा संवाद करें और समस्याओं का मौके पर निराकरण करें। इसके साथ ही साथ रात्रि विश्राम के निर्धारित शेड्यूल का पालन अनिवार्य किया गया था। किंतु काम का बोझ कहें या फिर लापरवाही, ज्यादा प्रभारी अफसर जिलों में नहीं पहुंचे। ऐसे में मॉनिटरिंग तो दूर मुख्यमंत्री के निर्देश का पालन तक नहीं हुआ।

एक जिले में 70 साल बाद पेयजल की समस्या हुई दूर

डिंडौरी जिले में रात्रि चौपाल अभियान 17 दिसंबर 2025 से शुरू हुआ। कलेक्टर अंजू सिंह भदौरिया ने ग्राम मुकदम टोला, कारीगढ़हरी और चंद्रगढ़ में रात्रि चौपाल लगाई। बैगा बहुल ग्राम पंचायत खजरी माल के ग्राम चंद्रगढ़ के लोग 70 साल से पानी की समस्या से जूझ रहे थे। कलेक्टर के निर्देश पर नल-जल योजना के तहत मात्र 40 दिनों में घर-घर नल कनेक्शन लगाकर पेयजल उपलब्ध कर दिया गया।

रात्रि चौपालों में बिजली, पानी, सड़क, रोजगार, वृद्धावस्था पेंशन, पीएम आवास, जनमन आवास, दिव्यांग प्रमाण पत्र, खेत तालाव, मेढ़ बंधान, नाली, नहर एवं आम रास्तों जैसी समस्याएं प्रमुखता से सामने आईं। कई गांवों में आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी नहीं बनने के मामले भी आए। कलेक्टरों का कहना है कि अधिकांश समस्याओं का निराकरण मौके पर त्वरित रूप से किया जा रहा है।



फाइल फोटो।

वार्ड-57 की समस्याओं को लेकर मंत्री कृष्णा गौर को सौंपा ज्ञापन



मंत्री कृष्णा को पार्षद ने सौंपा ज्ञापन।

मंत्री कृष्णा गौर ने समस्याओं को सुना और तत्काल नगर निगम आयुक्त को कार्रवाई के निर्देश दिए।

डीओपीटी में परफार्मेस अप्रेंजल रिपोर्ट स्वीकार करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर तक रहेगी

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

आईएसएस अफसरों को वर्ष 2025-26 के लिए अपने परफार्मेस एप्रेंजल रिपोर्ट (पीएआर) का स्वमूल्यांकन अब तीस जून तक भरना होगा। पहले यह अवधि 31 मई तक थी। डीओपीटी ने इसमें एक माह की बढ़ोतरी कर दी है।

केन्द्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को पीएआर लिखे जाने के लिए समयसीमा सभी स्तरों पर एक माह बढ़ा दी है। इसके बाद राज्य सरकार ने यह आदेश जारी किया है। मप्र में भारतीय प्रशासनिक सेवा 395

डीओपीटी ने अखिल भारतीय सेवा के अफसरों के लिए पीएआर में स्व मूल्यांकन की अवधि एक माह बढ़ाई

अफसर पदस्थ हैं। इन सभी अफसरों को प्रतिवर्ष अपना स्व मूल्यांकन डीओपीटी के वेबसाइट पर भरना होता है। प्रदेश में इसकी डिटेल्ड मानिट्रिंग सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) करता है। जानकारी के अनुसार तय समय सीमा में पीएआर के कार्य, स्व मूल्यांकन, मतांकन नहीं करने पर कार्रवाई अपने आप अगले स्तर पर बढ़ जाती है। जो अफसर समय पर पीएआर नहीं भरते, वह पीएआर अपने आप अगले स्तर पर पहुंच जाती है। समय पर पीएआर पर मत अंकित नहीं करने वाले अफसरों पर भी कार्रवाई करने का प्रावधान भी किया गया है।

पदोन्नति से लेकर अन्य कार्यों में मौका दिया जाता है

दरअसल, सिविल सेवा के अफसरों को तीस जून तक पीएआर में स्वमूल्यांकन करना होगा। इसके बाद रिपोर्टिंग अधिकारी 31 अगस्त तक इस पर अपनी टिप्पणी लिखकर देगा। रिव्यू करने वाले उच्च अधिकारी पीएआर पर अपना मतांकन 31 अक्टूबर तक

अंकित करेंगे। इसके बाद 31 दिसंबर तक डीओपीटी पीएआर स्वीकार करती है। इस आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों को विभिन्न कार्यों मसलान पदोन्नति से लेकर अन्य कार्यों में मौका दिया जाता है।

पीएआर में करना होगा स्वमूल्यांकन

योग दिवस की तैयारी: घर-घर जाकर किया जा रहा योग

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के आयोजन की लेकर तैयारियों को लेकर आयुष विभाग के निर्देशों के पालन करते हुए शासकीय होम्योपैथी औषधालय कबीटपुरा द्वारा घर-घर जाकर योग का पंजीकरण कराया जा रहा है।

औषधालय के प्रभारी एवं योग विशेषज्ञ डॉ अशोक कुमार पचौरी द्वारा प्रतिदिन औषधालय में नि:शुल्क योगाभ्यास करवाया जा रहा है। जिससे रोगियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के साथ-साथ शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो रहा है। योग दिवस को लेकर औषधालय की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता भारती गुप्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजू साहू और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों को योग के महत्व को बताते हुए



जागरूक किया जा रहा है। डॉ पचौरी ने बताया कि हर घर योग को पहुंचाने कार्य किया जा रहा है। आयोजन की मुख्य थीम ‘स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग’ के प्रति जागरूकता अभियान के तहत काउंट डाउन कार्यक्रम औषधालय में संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन स्वास्थ्य जीवन शैली के लिए योग के सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम तथा ध्यान के अभ्यास कइवां जा रहे हैं।

विशेष प्रतिनिधि ॥भोपाल

मध्यप्रदेश में आदिवासियों के हक और जल-जंगल-जमीन के मुद्दे पर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आदिवासी कांग्रेस की अहम बैठक के बाद भाजपा सरकार और अडाणी समूह के खिलाफ एक बड़े मोर्चे का एलान कर दिया है।

कांग्रेस आगामी 30 जून को सिंगरौली में एक विशाल आंदोलन करने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां-जहां आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन पर कब्जे हो रहे हैं, उन्हें उजाड़ा जा रहा है, उचित मुआवजा तक नहीं दिया जा रहा, वहां हर जगह पहुंच कर कांग्रेस आदिवासियों के साथ खड़ी होगी और आंदोलन करेगी। बैठक में पटवारी और सिंघार के अलावा विक्रान्त भूरिया, कांतिलाल भूरिया, दिग्विजय सिंह, कमलेश्वर पटेल, सज्जन सिंह वर्मा, बाला बच्चन सहित सभी प्रमुख नेता शामिल थे।

आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन पर कब्जे करने का लगाया गंभीर आरोप



जीतू पटवारी।



उमंग सिंघार।

आदिवासियों को वनवासी बनाना चाहती है सरकार

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने भाजपा पर आदिवासियों को गुमराह करने और उनकी पहचान बदलने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों पर केवल चुनावी डोरे डालना चाहती है। असल में वह आदिवासियों को ‘वनवासी’ बनाकर उनकी मूल पहचान को ही खत्म करने की साजिश रच रही है। जबकि इतिहास गवाह है कि देश और प्रदेश में जब भी कांग्रेस सरकार बनी है, उसमें आदिवासियों की हमेशा अहम और निर्णायक भूमिका रही है।

अडाणी को कोल ब्लॉक आवंटन, कांग्रेस ने खोला मोर्चा

बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी और उमंग सिंघार ने कहा कि सिंगरौली में आदिवासियों की जमीनों को कॉरपोरेट के हवाले किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अडाणी समूह को सिंगरौली में कोल ब्लॉक के लिए जमीन आवंटित की है, जिससे स्थानीय आदिवासियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। इसी के विरोध में 30 जून को कांग्रेस सिंगरौली की धरती पर ऐतिहासिक आंदोलन करेगी। बैठक में आदिवासियों के हितों की लड़ाई से जुड़ा यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिया गया है।

जनगणना के फॉर्म में आदिवासियों के लिए एक अलग ‘आदिवासी कोड’ होना चाहिए

जनगणना में ‘आदिवासी कोड’ की बड़ी मांग

कांग्रेस ने अब आगामी जनगणना को लेकर भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नेता प्रतिपक्ष ने मांग की है कि जनगणना के फॉर्म में आदिवासियों के लिए एक अलग ‘आदिवासी कोड’ होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर जनगणना के अंदर आदिवासियों की जनसंख्या को कम करके आंकना चाहती है, इसीलिए वह आदिवासियों को उनका अलग कोड नहीं देना चाहती। कांग्रेस आदिवासियों के इस हक के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी।





## निवेश : सहज पके सो मीठा होय, जल्दबाजी में घाटा सुझाव बिजनेस डेस्क

आज के समय में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान बन चुका है। छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा और लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की क्षमता ने इसे आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया है। खासकर नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग के लोग एसआईपी को भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत साधन मान रहे हैं। हालाँकि, कई निवेशक बाजार में गिरावट आते ही घबरा जाते हैं और जल्दी पैसा निकाल लेते हैं। यही जल्दबाजी उन्हें नुकसान पहुँचाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एसआईपी में असली मुनाफा धीरे रखने वालों को मिलता है। हाल ही में सामने आई एक स्टडी भी यही साबित करती है कि जितनी लंबी अवधि तक निवेश जारी रखा जाए, जोखिम उतना कम होता जाता है और रिटर्न ज्यादा भरोसेमंद बनते हैं।

**30 वर्ष की स्टडी में सामने आई बड़ी बात**  
एक स्टडी में अगस्त 1996 से अप्रैल 2024 तक के सेसेक्स टी.आर.आई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें मंथली एसआईपी निवेश के प्रदर्शन को अलग-अलग अवधियों में जाँचा गया। स्टडी के मुनाबिक कम समय के निवेश में रिटर्न काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा, जबकि लंबी अवधि में यह अंतर कम हो गया। यानी जो निवेशक थोड़े समय के लिए एसआईपी करते हैं, उन्हें कभी बड़ा मुनाफा तो कभी बड़ा नुकसान देखने को मिल सकता है। लेकिन जो लोग लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें अपेक्षकृत स्थिर और बेहतर रिटर्न मिलता है।

**तीन साल की एसआईपी में बड़ा जोखिम**  
स्टडी के अनुसार, तीन साल की एसआईपी में रिटर्न का अंतर बहुत ज्यादा देखने को मिला। कुछ निवेशकों को जहाँ 55.6 प्रतिशत तक का शानदार मुनाफा मिला, वहीं कई मामलों में 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी हुआ। यह आंकड़े बताते हैं कि कम समय में शेयर बाजार की अस्थिरता निवेश पर गहरा असर डालती है। यदि बाजार गिरावट के दौर में हो और निवेशक जल्दबाजी में पैसा निकाल ले, तो नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए विशेषज्ञ एसआईपी को शॉर्ट टर्म नहीं बल्कि लॉन्ग टर्म निवेश मानते हैं।

**8 साल बाद घाटे की संभावना खत्म**  
स्टडी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि जिन निवेशकों ने लगातार 8 साल या उससे ज्यादा समय तक एसआईपी जारी रखी, उन्हें किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यानी लंबे समय तक निवेश बनाए रखने पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर धीरे-धीरे कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में बाजार की गिरावट अस्थायी साबित होती है और अर्थव्यवस्था की वृद्धि के साथ निवेश का मूल्य बढ़ता है। यही कारण है एसआईपी में समय सबसे बड़ा हथियार माना जाता है।

**10 साल बाद बढ़ जाती है भरोसेमंद कमाई**  
स्टडी के मुताबिक, तीन साल की एसआईपी में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना 67 प्रतिशत रही। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ी, यह संभावना भी मजबूत होती गई। 10 साल के निवेश में 10 प्रतिशत पर निवेश रिटर्न मिलने की संभावना 95 प्रतिशत तक पहुँच गई। वहीं 12 से 15 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि लंबे समय तक निवेश करने वालों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना बेहद मजबूत हो जाती है।

**15 वर्ष की एसआईपी में दिया स्थिर रिटर्न**  
यदि 15 साल की एसआईपी का प्रदर्शन देखें तो रिटर्न का दायरा 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। यह अंतर तीन साल की तुलना में काफी कम है। लंबी अवधि में निवेश ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद बन जाता है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि बहुत लंबी अवधि में रिटर्न थोड़ा औसत या संतुलित हो सकता है। यानी शुरुआती वर्षों की तरह बहुत अधिक तेजी नहीं दिखती, लेकिन जोखिम भी काफी कम हो जाता है। एसआईपी को सुरक्षित और अनुशासित निवेश का तरीका माना जाता है।

**लंबी अवधि ही सफलता की कुंजी**  
स्टडी संकेत देती है कि एसआईपी में जल्दबाजी नुकसान पहुँचा सकती है, जबकि धीरे रखने वाले निवेशकों को बेहतर और स्थिर रिटर्न मिलता है। कम समय में जोखिम ज्यादा रहता है, लेकिन 8 से 10 साल के बाद घाटे की संभावना कम हो जाती है। एसआईपी का बड़ा फायदा कंपाउंडिंग होता है।

*डिजिटल ठगी के जाल से रहें अलर्ट, वर्ना हो सकता है भारी नुकसान*

### सावधानी बिनेस डेस्क

आज के दौर में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। खासकर इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रहे ट्रेडिंग चैनल और टिप्स ग्रुप लाखों लोगों को आसान कमाई का सपना दिखाकर जाल में फंसा रहे हैं। कई लोग बिना रिसर्च किए इन प्लेटफॉर्म पर बताए गए शेयरों में पैसा लगा देते हैं और बाद में भारी नुकसान उठाते हैं। हाल ही में एनएसई और सेबी ने निवेशकों को ऐसे फर्जी सोशल मीडिया हैंडलस और टेलीग्राम चैनलों से सावधान रहने की सलाह दी है। एक्सचेंजों ने स्पष्ट किया है कि कई लोग खुद को ट्रेडिंग एक्सपर्ट, मार्केट गुरु या निवेश सलाहकार बताकर निवेशकों के अकाउंट तक एक्सेस मांगते हैं और बाद में रकम गायब कर देते हैं। कई मामलों में ‘डबल पैसा’, ‘गारंटीड प्रॉफिट’, ‘100 प्रतिशत स्टिक कॉल’ और ‘इंट्राडे में लाखों कमाएं’ जैसे झूठे दावे किए जाते हैं।



### निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

- ▶ कंपाउंडिंग की ताकत भविष्य बना सकती है आर्थिक रूप से मजबूत
- ▶ निवेश से पूरे हो सकते हैं घर, शिक्षा और रिटायरमेंट के सपने
- ▶ एसआईपी और म्यूचुअल फंड युवाओं की पहली पसंद बन रहे

आज के दौर में आर्थिक सुरक्षा हर व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। बढ़ती महंगाई, अनिश्चित नौकरियाँ, महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं ने लोगों को भविष्य को लेकर अधिक गंभीर बना दिया है। ऐसे समय में निवेश केवल अमीर लोगों की आदत नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेश एक पेड़ की तरह होता है। यदि आज इसके बीज बोए जाएँ और समय-समय पर इसकी देखभाल की जाए, तो यही पेड़ भविष्य में छाया, फल और सुरक्षा प्रदान करता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार युवाओं को कम उम्र से ही निवेश की शुरुआत करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि निवेश का मतलब केवल शेयर बाजार में पैसा लगाना है, जबकि ऐसा नहीं है। निवेश का अर्थ है अपने पैसे को ऐसे साधनों में लगाना, जहाँ वह समय के साथ बढ़ सके और भविष्य में आर्थिक मजबूती दे सके। यह शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, बॉन्ड, पीपीएफ, सोना, रियल एस्टेट या किसी व्यवसाय में निवेश के रूप में हो सकता है। हर निवेश का उद्देश्य भविष्य में बेहतर रिटर्न और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करना होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार निवेश की शुरुआत हमेशा स्पष्ट लक्ष्य के साथ करनी चाहिए। बिना लक्ष्य के किया गया निवेश अक्सर बीच रास्ते में रुक जाता है या सही दिशा नहीं पकड़ पाता। इसलिए पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य से किया जा रहा है।

## संयम के साथ किया गया एसआईपी में निवेश बना सकता है करोड़पति

### जानकारी बिजनेस डेस्क

आज के समय में कार या मकान खरीदना हर व्यक्ति का सपना होता है। लेकिन बढ़ती कीमतों और महंगे लोन के कारण यह सपना कई लोगों के लिए बोझ बन जाता है। अधिकतर लोग घर या कार खरीदने के लिए बैंक से लोन लेते हैं और फिर वर्षों तक ईएमआई चुकाते रहते हैं। खासकर होम लोन में ब्याज इतना ज्यादा होता है कि कई बार व्यक्ति मूल रकम से लगभग दोगुनी राशि चुका देता है। ऐसे में यदि सही समय पर निवेश की योजना बना ली जाए तो बिना लोन लिए भी कार या मकान खरीदा जा सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कोई व्यक्ति 10 से 15 साल पहले से योजना बनाकर म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान शुरू करे तो वह बड़ा फंड तैयार कर सकता है। यही फंड भविष्य में कार या मकान खरीदने में मदद कर सकता है। एसआईपी न केवल निवेश की आदत विकसित करती है बल्कि लंबे समय में कंपाउंडिंग का लाभ भी देती है। लोन लेने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज होता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 50 लाख रुपये का होम लोन लेता है तो 20 से 25 वर्षों में उसे लगभग 90 लाख से 1 करोड़ रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। यानी आधे से ज्यादा पैसा केवल ब्याज के रूप में चला जाता है। कार लोन में भी स्थिति कुछ ऐसी ही रहती है। नई कार खरीदते समय डाउन पेमेंट के बाद कई वर्षों तक ईएमआई भरनी पड़ती है। इससे मासिक बजट पर दबाव बढ़ता है और बचत की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए जो लोग भविष्य की योजना पहले से बनाते हैं, उनके लिए एसआईपी बेहतर विकल्प साबित हो सकती है।

# समय पर निवेश ही बनाता है आर्थिक सुरक्षा की मजबूत नींव, छोटी बचत और लंबी अवधि से तैयार हो सकती है बड़ी पूंजी आज का निवेश, कल की सुरक्षा पेड़ की तरह छाया देता है पैसा

*बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, रिटायरमेंट, मेडिकल सुरक्षा, विदेश यात्रा या आर्थिक स्वतंत्रता। जब लक्ष्य स्पष्ट होते हैं, तो निवेश की रणनीति बनाना आसान हो जाता है। इसके साथ ही निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज है अनुशासन। बहुत से लोग शुरुआत तो कर देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद निवेश बंद कर देते हैं। यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। निवेश को नियमित आदत बनाना जरूरी है।*



### कंपाउंडिंग की ताकत बदल सकती है भविष्य

निवेश की दुनिया में कंपाउंडिंग को सबसे बड़ा जादू माना जाता है। इसका अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर कमाई करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ी पूंजी में बदल सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र से हर महीने पांच हजार रुपये निवेश करना शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 60 वर्ष की उम्र तक वह करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकता है। वहीं यदि यही निवेश 40 वर्ष की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम राशि काफी कम रह जाएगी।

### निवेश क्यों जरूरी है?

महंगाई धीरे-धीरे पैसे की कीमत कम करती रहती है। आज जो चीज 100 रुपये में मिलती है, वह कुछ वर्षों बाद 200 या 300 रुपये की हो सकती है। यदि पैसा केवल बचत खाते में पड़ा रहे, तो उसकी वास्तविक वैल्यू घटती जाती है। निवेश इस नुकसान से बचाने का माध्यम बनता है। सही निवेश न केवल पूंजी बढ़ाता है, बल्कि अतिरिक्त आय का जरिया भी बन सकता है। कुछ निवेश साधन टैक्स बचाने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा निवेश आर्थिक आत्मनिर्भरता देता है, जिससे व्यक्ति भविष्य की जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहता।

# बिना लोन के भी पूरा हो सकता है कार और मकान का सपना

**6** अगर आपको पूरी तरह से लार्ज-कैप इंडेक्स में ही निवेश करना है, तब तो आपके लिए सिर्फ निफ्टी 50 इंडेक्स फंड ही काफी है। या फिर आप निफ्टी 100 इंडेक्स फंड को भी देख सकते हैं, जिसका 85 फीसदी एनोकेशन निफ्टी 50 में और बाकी 15 फीसदी निफ्टी नेक्स्ट 50 में होता है, लेकिन अगर आप पैसिव फंड्स के जरिए मिड-कैप में निवेश करना चाहते और बेहतर रिटर्न की उम्मीद में ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं, तो नेक्स्ट 50 और मिडकैप 150 इंडेक्स फंड के बीच किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।



### एसआईपी कैसे करती है मदद

एसआईपी के जरिए हर महीने एक निश्चित रकम म्यूचुअल फंड में निवेश की जाती है। यह निवेश बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से जारी रहता है। लंबी अवधि में यही रहती है। नई कार खरीदते समय डाउन पेमेंट के बाद कई वर्षों तक ईएमआई भरनी पड़ती है। इससे मासिक बजट पर दबाव बढ़ता है और बचत की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए जो लोग भविष्य की योजना पहले से बनाते हैं, उनके लिए एसआईपी बेहतर विकल्प साबित हो सकती है।

### 20 हजार की एसआईपी से बन सकता है बड़ा फंड

यदि कोई व्यक्ति हर महीने 20 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में उसके पास लगभग 45 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें करीब 24 लाख रुपये उसका कुल निवेश होगा, जबकि लगभग 21 लाख रुपये केवल रिटर्न या ब्याज के रूप में मिलेंगे। इतनी रकम में व्यक्ति आसानी से एक अच्छी और प्रीमियम कार खरीद सकता है।

### मकान खरीदने के लिए कितनी एसआईपी जरूरी?

अगर लक्ष्य मकान खरीदने का है तो निवेश की राशि बढ़ानी होगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई व्यक्ति हर महीने 30 हजार रुपये की एसआईपी करता है और उसे 12 प्रतिशत का औसत रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में करीब 67 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें लगभग 36 लाख रुपये का निवेश और 31 लाख रुपये का रिटर्न शामिल होगा। वहीं यदि निवेश की अवधि 15 वर्ष कर दी जाए तो यही फंड करीब 1.4 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इतनी रकम में व्यक्ति बिना लोन के घर खरीदने का सपना पूरा कर सकता है।

### जल्दी शुरुआत करना क्यों जरूरी?

एसआईपी में सबसे बड़ा फायदा समय का होता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना ज्यादा फायदा कंपाउंडिंग का मिलता है। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाने लगता है। यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करता है तो उसे कम रकम निवेश करनी पड़ेगी। वहीं 35 या 40 वर्ष की उम्र में यही लक्ष्य पाने के लिए अधिक निवेश करना होगा।

### जोखिम को समझना भी बेहद जरूरी

हर निवेश के साथ कुछ न कुछ जोखिम जुड़ा होता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, आर्थिक मंदी, महंगाई और वैश्विक घटनाएं निवेश को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम उठाने की क्षमता को समझना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति जोखिम कम लेना चाहता है, तो उसे सुरक्षित निवेश विकल्प चुनने चाहिए। वहीं युवा निवेशक लंबी अवधि के कारण थोड़ा अधिक जोखिम लेकर बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। लेकिन किसी भी निवेश में बिना जानकारी और बिना रिसर्च के पैसा लगाना खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश हमेशा विविध होना चाहिए। यानी सारा पैसा एक ही जगह नहीं लगाना चाहिए। यदि निवेश अलग-अलग क्षेत्रों में किया जाए, तो जोखिम कम हो जाता है। यही कारण है कि कहा जाता है कि “सभी अंडे एक टोकरी में नहीं रखने चाहिए”।

### डिजिटल दौर में सावधानी भी जरूरी

आज ऑनलाइन निवेश तेजी से बढ़ रहा है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बना दिया है। लेकिन इसके साथ साइबर ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी बढ़ा है। सोशल मीडिया पर कई लोग खुद को निवेश गुरु बताकर लोगों को गुरमारा कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा विश्वसनीय और रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म के जरिए ही करना चाहिए। किसी भी “गारंटीड रिटर्न” या “दोगुना पैसा” जैसी योजनाओं से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। निवेश से पहले पूरी जानकारी लेना बेहद जरूरी है।

**ऐसे करें निवेश की शुरुआत**  
निवेश शुरू करने के लिए सबसे पहले अपनी आय और खर्च का आकलन करें। इसके बाद हर महीने एक निश्चित राशि निवेश के लिए अलग रखें। इमरजेंसी फंड तैयार करना भी जरूरी है, ताकि अचानक जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़ना न पड़े। इसके अलावा बाजार और निवेश साधनों के बारे में लगातार सीखते रहना चाहिए। अखबार पढ़ना, वित्तीय किताबें समझना और विशेषज्ञों की सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

## उतार-चढ़ाव के बीच दमदार साबित हुए फ्लेक्सी कैप फंड

बिजनेस डेस्क  
म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लेक्सी कैप फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के दौर में ये फंड निवेशकों के लिए “ऑल वेडर” विकल्प माने जाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि फंड मैनेजर को बड़ी, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में बिना किसी तय सीमा के निवेश करने की आजादी होती है। यानी बाजार की स्थिति, आर्थिक हालात और वैल्यूएशन के हिसाब से फंड मैनेजर पोर्टफोलियो का संतुलन बदल सकते हैं। तेजी के दौर में मिड और स्मॉल कैप में अधिक निवेश किया जा सकता है, जबकि गिरावट के समय बड़े और मजबूत शेयरों का सहारा लिया जाता है। यही लचीलापन फ्लेक्सी कैप फंड को अन्य इक्विटी फंड्स से अलग बनाता है। जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न देने वाले फ्लेक्सी कैप फंड का विश्लेषण किया गया, जिसमें 6 मई, 1 साल, 3 साल और 5 साल के रोलिंग रिटर्न के साथ शार्प, सॉर्टिनो और स्टैंडर्ड डिविएशन जैसे जोखिम संकेतकों को आधार बनाया गया।

**एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड**  
जनवरी 1995 में शुरू हुआ यह फंड लंबे समय से निवेशकों के बीच भरोसेमंद माना जाता है। फंड की रणनीति मजबूत कंपनियों को चुनकर लंबे समय तक बनाए रखने की रही है। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने लगभग 23.2 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया, जबकि इसी अवधि में निफ्टी-500 टी.आर.आई का रिटर्न करीब 17 प्रतिशत रहा। फंड की खास बात यह है कि इसने कम उतार-चढ़ाव के साथ बेहतर रिटर्न दिया। फंड के प्रमुख निदेशों में आईसीआईसीआई बैंक, एचएसबी बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और एसबीआई लाइफ शामिल हैं। सेक्टर के लिहाज से बैंकिंग, ऑटो और हेल्थकेयर में इसका बड़ा निवेश है। पिछले एक साल में फंड ने करीब 75 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप में रखा।

**एराग पारिस् फ्लेक्सी कैप फंड**  
यह फंड निवेशकों के बीच सबसे चर्चित फ्लेक्सी कैप फंड में गिना जाता है। मई 2013 में लॉन्च हुए इस फंड की रणनीति वैल्यू इन्वेस्टिंग पर आधारित है। फंड मजबूत कंपनियों में निवेश करता है और विदेशी शेयरों में भी एक्सपोजर देता है। एलफाबेट, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, और मेटा जैसी वैश्विक कंपनियां इसके पोर्टफोलियो में शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में फंड ने करीब 21.6 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया। सबसे खास बात यह रही कि इसकी वोलैटिलिटी कैटेगरी में सबसे कम रही। शार्प और सॉर्टिनो रेशियो के मामले में भी यह फंड सबसे आगे रहा। फंड का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा लार्ज कैप में, जबकि कुछ हिस्सा इंटरनेशनल इक्विटी और डेट इन्स्ट्रुमेंट्स में निवेशित है।

**आईसीआई प्रूडेंसियल फ्लेक्सी कैप फंड**  
जुलाई 2021 में शुरू हुआ यह फंड अपेक्षकृत नया है, लेकिन कम समय में मजबूत प्रदर्शन के कारण तेजी से लोकप्रिय हुआ है। फंड की रणनीति मजबूत बिजनेस और उचित वैल्यूएशन वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने करीब 20.4 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया। इसकी वोलैटिलिटी कैटेगरी औसत के बराबर रही, लेकिन जोखिम के मुकाबले रिटर्न बेहतर रहा। फंड के प्रमुख निदेशों में टीएएस मोटर, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी और एचवेलू सुपरमार्ट शामिल हैं। वर्तमान में इसका करीब 61 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप व करीब 25 प्रतिशत स्मॉल कैप में है।

**व्यों खास है फ्लेक्सी कैप फंड?**  
फ्लेक्सी कैप फंड की सबसे बड़ी ताकत उनकी लचीलापन वाली रणनीति है। बाजार में तेजी हो या गिरावट, फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। इसी वजह से इन्हें लंबी अवधि के निवेश के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है।

# फर्जी ट्रेडिंग टिप्स से मिनटों में खाली हो सकता है अकाउंट

## सोशल मीडिया पर निवेश सलाह के नाम पर बढ़ रहा फ्रॉड डब्बा ट्रेडिंग बना बड़ा खतरा

डिजिटल फ्रॉड के साथ-साथ डब्बा ट्रेडिंग का नेटवर्क भी तेजी से फैल रहा है। यह पूरी तरह अवैध ट्रेडिंग व्यवस्था है, जिसमें लोन-देन आधिकारिक स्टॉक एक्सचेंज के बाहर किया जाता है। इसमें निवेशकों का पैसा सीधे ठगों के हाथ में चला जाता है और किसी प्रकार की कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती। एनएसई ने कई ऐसे प्लेटफॉर्म और मोबाइल नंबरों के खिलाफ चेतावनी जारी की है जो फर्जी ट्रेडिंग सेवाएं चला रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटे शहरों और नए निवेशकों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है।

### बदल रहा निवेश का तरीका

भारत आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन चुका है। करोड़ों नए निवेशक हर महीने बाजार से जुड़ रहे हैं। डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के विस्तार ने निवेश को घर-घर तक पहुंचा दिया है। लेकिन इसी का फायदा साइबर ठग भी उठा रहे हैं। अब ठगी केवल फोन कॉल तक सीमित नहीं रही, बल्कि एआई जनरेटेड वीडियो, फर्जी स्क्रीनशॉट, नकली प्रॉफिट रिपोर्ट और डीपफेक वीडियो के जरिए लोगों को भ्रमित किया जा रहा है।

### पोंजी व पिरामिड स्कीम ऑनलाइन

पहले जहां पोंजी और पिरामिड योजनाएं ऑफलाइन चलाई जाती थीं, वहीं अब ये सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के जरिए फैल रही हैं। लोगों को कहा जाता है कि वे नए निवेशक जोड़ें और कमीशन कमाएं। शुरुआत में कुछ लोगों को लाभ देकर भरोसा पैदा किया जाता है, लेकिन बाद में पूरी योजना अचानक बंद हो जाती है और निवेशकों का पैसा डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देशभर में ऐसे कई ऑनलाइन निवेश घोटाले सामने आ चुके हैं।

### क्रिप्टो व विदेशी निवेश के नाम पर ठगी

क्रिप्टोकॉरेंसी और विदेशी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म भी ठगों का नया हथियार बन चुके हैं। “एक महीने में पैसा दोगुना”, “विदेशी बाजार से रोज कमाई” और “एआई ट्रेडिंग बॉट” जैसे ऑफर देकर लोगों को निवेश के लिए उकसाया जाता है। कई प्लेटफॉर्म बिना किसी रेगुलेशन के काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी निवेश योजना में अत्यधिक मुनाफे का दावा किया जा रहा है तो निवेशकों को तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए।

### कैसे बचें डिजिटल निवेश ठगी से

निवेश करने से पहले यह जरूर जांच लें कि सलाह देने वाला व्यक्ति या संस्था सेबी में रजिस्टर्ड है या नहीं। किसी भी अनजान टेलीग्राम चैनल या इंस्टाग्राम पेज पर भरोसा न करें। अपने ट्रेडिंग अकाउंट का पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। “गारंटीड रिटर्न” और “जोखिम मुक्त निवेश” जैसे दावों से दूरी बनाकर रखें। निवेश हमेशा अपनी समझ और रिसर्च के आधार पर करें। विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का मजबूत माध्यम है, लेकिन बिना जानकारी और लालच में किया गया निवेश लोगों को आर्थिक संकट में भी डाल सकता है। इसलिए सोशल मीडिया के चमकदार विज्ञापनों और फर्जी ट्रेडिंग गुरुओं से सावधान रहना बेहद जरूरी है। समझदारी, धैर्य और सही जानकारी ही सुरक्षित निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है।

अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है। यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से मयानक सूखा आता है। स्वामाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी हमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

# अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम



## विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई हैं। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई हैं। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे। पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

## मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उस से सामने लेते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अनिश्चरवादियों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्मांड के नियंता के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल



## खास बातें

- अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही
- 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया में तबाही मचाई, लेकिन भारत में ज्यादा बारिश हुई
- 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद देश में सूखा पड़ गया था
- 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई

नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

## खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भर्यंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना

कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबरदस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

## कई बार विफल रहीं भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भर्यंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार संशुद्ध अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सही साबित हुई। 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया भर में तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर द्विध्रुव या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर में और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत

में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुईं। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

## हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

# जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान



## व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

## चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महीने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचाना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की



किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और सिंप्रंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़ लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

## आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में

महिलाओं और आदिवासी समुदायों को खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

## पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोकना नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जान ले लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

# आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार



## उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिछुटा बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

## अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि समय पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका

पानी अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है। फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षा की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़ सकती है या

की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं।



मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

## कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं

इससे सरकारों, कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निवसंदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

## वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

# ड्रिप और सिंप्रंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी



## चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अभी-भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीकों को अपनाया जाए, जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जिससे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा की भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। ऐसे में उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षा पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

## पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय

जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूँकि ट्रैक्टरों से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूंग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासी, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं।

## रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सके। इसके साथ ही ड्रिप और सिंप्रंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।



## ‘राख’ में पुलिस वर्दी में रौब जमाएंगे अली फजल

**मुंबई।** अली फजल की फिल्म ‘मिर्जापुर: द मूवी’ का इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे हैं। इससे पहले अभिनेता अपनी नई सीरीज ‘राख’ के जरिए दर्शकों को तोहफा देने आ रहे हैं, जिसमें सोनाली बेंद्रे भी हैं। इसका निर्देशन प्रोसित रॉय ने किया है, जिन्हें ‘पाताल लोक’ जैसी चर्चित सीरीज के लिए जाना जाता है। लेखन

व सह-निर्देशन अनुषा नंदकुमार और संदीप साकेत ने मिलकर किया है। ‘राख’ के पोस्टर में अली पुलिस की वर्दी पहने जांच अधिकारी के किरदार में नजर आ रहे हैं। इसकी कहानी भी उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है जो 2 लापता किशोरों की तलाश में जुटा हुआ है। इस घटना ने पूरे शहर में दहशत फैला दी है।

## लाइफStyle

## कियारा

### ‘टॉक्सिक’ ने जिंदगी में किए ये खास बदलाव

एजेसी ►► मुंबई

कियारा आडवाणी फिल्म ‘टॉक्सिक’ में नजर आएंगी। उनका कहना है कि इस फिल्म ने प्यार को देखने के उनके निजी नजरिए को ही बदल दिया है। इस फिल्म में कियारा ‘नादिया’ नाम का एक किरदार निभा रही हैं, जो आजाद खयालों वाली और किसी पर निर्भर न रहने वाली लड़की है।

कियारा ने बताया, ‘टॉक्सिक’ के साथ मुझे लगता है कि यह लड़का-लड़की के रिश्तों को देखने का हमारा तरीका ही बदल देता है। सच कहूँ तो, जब गीतू मोहनदास ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, तब मुझे यह समझने में थोड़ा वक्त लगा कि ठीक है, यह भी सामान्य है। भले ही यह शायद सीधा-सरल न हो, या हमारे पारंपरिक सोच से हटकर हो, लेकिन प्यार में भी एक खास तरह की आजादी होती है।’ यह कहानी रिश्तों को ऐसे दिखाती है, जो हमेशा सही या गलत के दायरे में नहीं आते, फिर भी उनमें एक तरह की मुक्ति का अहसास होता है। ‘टॉक्सिक’ की शूटिंग करना कियारा के लिए आसान नहीं था। उन्हें हर सीन को दो बार शूट करना पड़ा था, एक बार अंग्रेजी में और एक बार कन्नड़ में। कियारा को हर रात नए संवाद याद करने पड़ते थे, जिससे यह काम काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता था। इस फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वासंध जैसे सितारे भी हैं। हालांकि, फिल्म को रिलीज (जो पहले 4 जून को होने वाली थी) कई बार टल चुकी है, फिर भी कियारा को भरोसा है कि वह जल्द ही दर्शकों के साथ प्यार के इस अनोखे नजारे को साझा कर पाएंगी।



## हॉलीवुड मसाला

### टॉय स्टोरी-5 रिलीज होगी 19 जून को

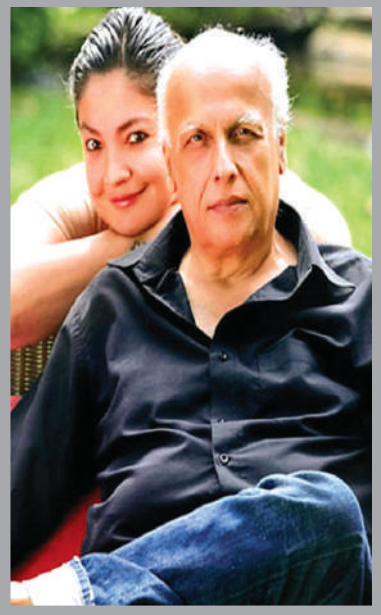


लॉस एंजिल्स। ‘टॉय स्टोरी 5’ 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और उम्मीद है कि यह अब तक की सबसे मायुक्त फिल्म होगी। वुड्डी का किरदार निभाने वाले टॉम हंट्स ने लंदन में फिल्म के लॉन्च के दौरान बताया कि एक ऐसा सीन है, जिसमें एक छोटी लड़की को बुरे मैसेज मिलने पर चोट पहुंचती है और यह सीन इस पूरी सीरीज के सबसे ज्यादा मायुक्त पलों में से एक है। फिल्म की कहानी करती है इस चीज की पड़ताल इस बार कहानी गहराई से पड़ताल करती है कि तकनीक बच्चों को कैसे प्रभावित करती है।



### ‘टैट्स फिंके डेजर्ट रेस’ पर ला रहे हैं तूफानी फिल्म...

लॉस एंजिल्स। क्रिस हेम्सवर्थ जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म ऑस्ट्रेलिया की एक बेहद मशहूर और मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता टैट्स फिंके डेजर्ट रेस पर आधारित होगी। इस फिल्म को ‘वाइल्ड स्टेट प्रोडक्शंस’ बना रही है, जिसकी शुरुआत क्रिस ने अपने दोस्त बेन गैसन के साथ मिलकर की थी। फिल्म ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थवैस्ट टेरिटरी में होने वाली इस दो दिवसीय ऑफ-रोड रेस के जबरदस्त रोमांच को दर्शकों तक पहुंचाएगी। फिंके डेजर्ट रेस बेहद खतरनाक और मुश्किल मानी जाती है। यह कमजोर दिल वालों के लिए बिल्कुल नहीं है। क्रिस का ऑफ-रोड रेसिंग से गहरा जुड़ाव रहा है और वह इस एड्रेंनालिन से भरे अनुभव को दुनिया भर के दर्शकों के साथ बांटना चाहते हैं।



## पिता के संदेश ने छुड़वाई शराब की लत...

**मुंबई।** पूजा भट्ट ने हाल ही में बताया कि साल 2014 में उनकी शादी के एक मुश्किल दौर में शराब के साथ उनका संघर्ष शुरू हुआ था, लेकिन असली बदलाव दिसंबर, 2016 में आया। तब उनके पिता महेश भट्ट ने उन्हें एक बहुत ही सीधा और असरदार संदेश भेजते हुए लिखा था, ‘अगर तू मुझसे प्यार करती हो, तो खुद से प्यार करना सीखो, क्योंकि मैं तुममें रहता हूँ।’ इसी संदेश के बाद पूजा ने हमेशा के लिए शराब छोड़ दी और खुद से प्यार करने पर ध्यान देना शुरू किया। पूजा शराब छोड़ने की सालगिरह को खुद की देखभाल के रूप में हैं मनाती है। उस दिन से पूजा ने शराब पीना छोड़ दिया है और वह हर सालगिरह को आत्म-देखभाल के उत्सव के तौर पर मनाती है। वह बताती हैं कि दोस्तों का दबाव झेलना पड़ा, खासकर जन्मदिन और सालगिरह पर।



## देव पटेल ने पूरी की द पीजेंट की शूटिंग

**मुंबई।** देव पटेल ने अपनी हालिया फिल्म ‘द पीजेंट’ की शूटिंग पूरी कर ली है। इस प्रोजेक्ट में वे निर्देशन के साथ-साथ मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं। 14वीं सदी के बदले की यह कहानी ए24 प्रोडक्शन हाउस की पहली ऐसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग भारत में हुई है। इसे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान जैसे कई राज्यों में फिल्माया गया है। साल 2024 में आई उनकी फिल्म ‘मंकी मैन’ के बाद यह देव का दूसरा निर्देशन है। ‘द पीजेंट’ को देव और विल डन ने मिलकर लिखा है। यह कहानी एक ऐसे चरवाहे की है, जो अपने गांव को तबाह करने वाले भाड़े के सैनिकों से बदला लेना चाहता है। इसमें आपको ‘ब्रेवहार्ट’, ‘जॉन विक’ और ‘किंग आर्थर’ जैसी फिल्मों का मिला-जुला अंदाज दिखेगा।

## टीवी मसाला



## नागिन 7 में इंतकाम की रात ड्रैगन का खात्मा करेंगी 3 नागिन

**मुंबई।** नागिन फ्रेंचाइजी के फैंस की एक्साइटमेंट पीक पर है। सीजन 7 क्लाइमैक्स की ओर है। 7 जून को शो ऑफप्यर होगा। इससे पहले टीवी क्वीन एकता कपूर ने शो को लेकर बज डिस्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिनले से पहले नागिन 7 में देरों दिवस्ट एड टवर्स आ रहे हैं। धीरे-धीरे नागलोक के सभी राज खुल रहे हैं। नया प्रोमो सामने आया है जिसमें धमाकेदार फिनले को झलक दिखाई है।

**तीन नागिन एक साथ आएंगी इंतकाम लेने** : अगले माह 6-7 जून को नागिन सीजन 7 का महाएपिसोड आएगा। नागिन अमंता और ड्रैगन राधिका के बीच छिड़े संग्राम ने पूरे नागलोक पर कहर बरपा रखा है। 6-7 जून कयामत की रात होगी। ड्रैगन से निपटने के लिए एक साथ तीन नागिन आएंगी और इंतकाम लेंगी। अमंता हसनदानी, तेजस्वी प्रकाश और प्रियंका वाहर चौधरी मिलकर ड्रैगन पर आखिर वार करेंगी। ये प्रोमो देखकर फैंस एपिसोड देखने को बेताब हैं। अमंता और तेजस्वी की छंट्टी के साथ फिनले एपिसोड नोस्टैलजिक फील देने वाला है।

**अमंता की लौट चुकी है याददाश्त** : शो में अमंता की याददाश्त लौट चुकी है। उसे राधिका की सच्चाई पता चल गई है कि वो ड्रैगन है जो कि नागिनों का सबसे बड़ा दुश्मन है। अमंता को देश बचाना है, सूरी परिवार से अपनों की गैत का बदला लेना है, अमंत कुल को श्राप से मुक्त करना है और राधिका से नागमणि वापस लेनी है। आने वाले एपिसोड में अमंता के सामने खुलासा होगा कि राधिका उसकी सगी बहन है। ड्रैगन और नागिन की मिड्रत होगी। गुप्त नाग मंदिर में रखा मिस्ट्री स्टैच्यू आखिर किसका है, इसका जवाब मिलेगा।

**शो पहले दिन से ही है सुर्खियों में** : शो पहले दिन से सुर्खियों में है। अमंता के रोल में प्रियंका वाहर चौधरी ने दमदार काम किया है। वो लोगों को इतनी फेवरेट बन चुकी हैं कि नेक्स्ट सीजन में भी जनता की उम्हें ही कास्ट करने की डिमांड है। नमिक पॉल संग उनकी केमिस्ट्री थानदार लगी है। वहीं कनिका मान ने राधिका (ड्रैगन) के रोल में प्रियंका को कड़ी टक्कर दी है।

### 7 जून को है एकता कपूर का जन्मदिन

शो का आखिरी टेलीकास्ट 7 जून को खास मकसद से रखा गया है। इस दिन एकता कपूर का जन्मदिन है। फिनले से पहले नागिन 7 के एक्टर्स सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन शेयर कर बज बना रहे हैं। सबकी नजरें क्लाइमैक्स पर टिकी हैं।

## रजनीकांत की ‘जेलर 2’ में शाहरुख की जगह ले सकते हैं ऋतिक रोशन

**मुंबई।** रजनीकांत की फिल्म ‘जेलर 2’ इस साल के आखिर में रिलीज होने के लिए तैयार है। पहले खबर थी कि इसमें शाहरुख खान का कैमियो होगा, लेकिन फिर जानकारी आई कि अपनी फिल्म ‘किंग’ की व्यस्तता के चलते उन्होंने ‘जेलर 2’ से किनारा कर लिया है। इस खबर ने बेशक फैंस का दिल तोड़ दिया, जो रजनीकांत और शाहरुख को एक साथ स्क्रीन पर देखना चाहते थे। अब खबर है कि शाहरुख की जगह एक दूसरा कलाकार ले सकता है।

### ऋतिक से किया गया है संपर्क

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख के फिल्म से पीछे हटने के बाद, निर्माताओं ने कैमियो के लिए ऋतिक रोशन से संपर्क किया है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो यह दूसरा मौका होगा, जब ऋतिक को रजनीकांत के साथ फिल्म में देखा जाएगा। इससे पहले दोनों ने ‘मगवान दादा’ (1986) में साथ काम किया था। दिलचस्प बात यह है कि उस वक्त ऋतिक महज 12 साल के थे और उन्होंने रजनीकांत के बेटे, गोविंद दादा का किरदार निभाया था।



### ‘जेलर 2’ में दिखाई देंगे ये सितारे

‘जेलर 2’ का पहला भाग साल 2023 में आया था, जो ब्लॉकबस्टर रहा। अब



सितंबर को इसे रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रजनीकांत के अलावा, ‘जेलर 2’ में विद्या बालन और मिथुन चक्रवर्ती भी नजर आएंगे। वहीं मोहनलाल और शिव राजकुमार को कैमियो करते हुए देखा जाएगा।

## मुख्यमंत्री विजय थलापति के बेटे जेसन की पहली निर्देशित फिल्म ‘सिग्मा’ को मिली रिलीज तारीख

**मुंबई।** तमिलनाडु के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री थलापति विजय (सी जेसेफ विजय) के बेटे जेसन संजय चर्चा में हैं। उनकी पहली निर्देशित फिल्म ‘सिग्मा’ को रिलीज तारीख मिल गई है, जिसका आधिकारिक तौर पर ऐलान हो गया है। संदीप किशन अमिनीत इस फिल्म के जरिए जेसन निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक के बेटे होने के नाते, जेसन की फिल्म पर हर किसी की नजरें टिकी हैं।

### जुलाई में सिनेमाघरों में दस्तक देगी

निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान करते हुए लिखा, ‘एक बड़ी जोखिम भरी डकैती शुरू होती है।’ ‘सिग्मा’ 31 जुलाई को सिनेमाघरों में धूम मचाने आ रही है। अंतिम खोज



### रोमांचक मिशन पर आधारित होगी फिल्म

‘सिग्मा’ को जेसन ने लिखा और निर्देशित किया है, जिसे एक्शन-एडवेंचर कॉमेडी के रूप में वर्णित किया जा रहा है। फिल्म में चोरी के तत्व भी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है जो समाज की अपेक्षाओं को धाता बताते हुए छिपे हुए खजानों की खोज में निकल पड़ता है। फिल्म में संदीप के अलावा, फरिया अब्दुल्ला, राजू सुंदरम, अंधु थायन, मंगलक्ष्मी सुदर्शनन, योग जापी और संपत राज जैसे सितारे नजर आएंगे।

के लिए तैयार हो जाइए। इस ऐलान के बाद से प्रशंसकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। सुबास्करन द्वारा लाइका प्रोडक्शंस बैनर के

तहत निर्मित यह फिल्म फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है। निर्माता जल्द ही इसे सेंसर कमेटी के पास भेजेंगे।

## पांच साल बाद लौटी स्पाइडर-मैन की दुनिया

**मुंबई।** टॉम हॉलैंड, ‘स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे’ में पीटर पार्कर के रूप में वापसी कर रहे हैं, जो लगभग 5 साल बाद बड़े पर्दे पर आ रही है। टॉम ने बताया कि उन्होंने फिल्म की कहानी गढ़ने में मदद की थी और इसके लिए ‘स्पाइडर-प्यूबर्ट’ का विचार रखा था। इस विचार में पीटर के जीवन में आने वाले बदलावों और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खोने की मुश्किलों को दिखाया जाना था। हालांकि, यह टैगलाइन फिल्म में इस्तेमाल नहीं हुई, लेकिन इसका विषय फिल्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। यह फिल्म 31 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक साथ 6 भाषाओं में रिलीज होगी, जिनमें अंग्रेजी और हिंदी भी शामिल हैं।

### निर्देशन किया डेस्टिन क्रेडन ने

टॉम का कहना है कि वह देखना चाहेंगे कि भविष्य में माइल्स मोरालेस या स्पाइडर-ग्वेन स्पाइडर-मैन की कमान संभालें, ठीक वैसे ही जैसे आयरन मैन ने नए नायकों का मार्गदर्शन किया था। इस फिल्म का निर्देशन डेस्टिन डैनियल क्रेडन ने किया है और इसमें जेडया, जैकब बटलॉन, सैडी सिंक, जॉन बर्थल और मार्क रफालो जैसे कलाकार भी हैं।



## फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में हो रही रिलीज

## ‘है जवानी तो इश्क...’ से पहले वरुण धवन की देखने लायक फिल्में, बंपर हुई थी कमाई

**मुंबई।** डेविड धवन द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें मुगल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वरुण अपने कॉमिक अंदाज में लौट रहे हैं। दशक की फिल्म से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। खैर फिल्म आने में समय है, इसलिए वरुण की पिछली कमाई फिल्मों को ओटीटी पर देखने का बिल्कुल सही समय है।

### ‘बॉर्डर 2’

1997 में आई सनी देओल की सुपरहिट फिल्म ‘बॉर्डर’ का सीक्वल जनवरी, 2026 में रिलीज हुआ था। इसमें सनी के अलावा, दिलजीत दोसांझ, अहान शेटी और वरुण की मुख्य किरदार में हैं। वरुण ने परमवीर चक्र से सम्मानित युद्ध नायक ‘मेजर होशियार सिंह बढिया’ का किरदार निभाया है। रिलीज से पहले अभिनेता को उनके अभिनय के लिए काफी ट्रोल किया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने जनता का दिल जीत लिया। इसने दुनियाभर में करीब 482 करोड़ रुपये कमाए थे।

### ‘जुड़वां 2’ और ‘कुली नंबर 1’

2017 में आई फिल्म ‘जुड़वां 2’ में वरुण को जैकलीन फर्नांडिस और तापसी पन्नू के साथ इश्क लड़ते हुए देखा गया था। यह अभिनेता के करियर की सबसे



सफल फिल्मों में से एक है, जिसमें रोमांस के साथ कॉमेडी भी बेशुमार है। फिल्म ने करीब 227.59 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं ‘कुली नंबर 1’ में वरुण के साथ सारा अली खान नजर आई हैं। इसमें भी अभिनेता का कूल और कॉमिक अंदाज दिखा है। इसने 182 करोड़ रुपये कमाए थे।

### ‘बद्रीनाथ की दुल्हनिया’ और ‘एबीसीडी 2’

आलिया भट्ट के साथ आई फिल्म ‘बद्रीनाथ की दुल्हनिया’ ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 200.45 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया था। इसमें वरुण और आलिया की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई थी। इसके गाने भी काफी लोकप्रिय हैं। दूसरी ओर, रेमो डिज्जूजा की फिल्म ‘एबीसीडी 2’ में वरुण ने अपने अभिनय और डांस कौशल से हर किसी को हैरान कर दिया था। उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य किरदार में हैं। इसने करीब 161.49 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

चूरु में तेज आंधी का  
कहर

## 70 की रफतार से चली हवाएं, रेत से आसमान पीले रंग में रंग गया



एजेंसी ►► चूरु

राजस्थान के चूरु जिले में शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली है। चूरु शहर के साथ-साथ तारानगर क्षेत्र और मेहेरी गांव समेत आसपास के इलाकों में तेज हवाओं

के साथ धूल का गुबार छा गया। हवा की रफतार बने कुछ ही देर में आसमान धूल की परत से ढंक गया। कई स्थानों पर धूल धरों और दुकानों के भीतर तक पहुंच गई। लोगों को कुछ समय के लिए आवाजाही में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

### कई जिलों में दिन के समय भी अंधेरा हो गया

श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में धूल और रेत का जबरदस्त बवंडर देखने को मिला। आसमान में धूल छाने से दिन के समय भी अंधेरा महसूस हुआ। सड़कों पर चल रहे वाहनों को हेडलाइट का सहारा लेना पड़ा। बवंडर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

### ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी चलने की आशंका है। इसके अलावा कुछ इलाकों में गरज-चमक, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना व्यक्त की है।

### उधर, नोएडा में धूल भरी आंधी, दिल्ली-हरियाणा में झमाझम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी के बीच शनिवार दोपहर को मौसम का मिजाज बदल गया। हरियाणा के सोनीपत और गुरुग्राम में तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बताया गया कि दोपहर को आसमान में बादल छाए और धूल भरी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से तापमान में गिरावट आई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजधानी दिल्ली और नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है।

### खबर संक्षेप

#### स्पाक मिंडा कंपनी में आग, मची अफरा-तफरी

नोएडा। सेक्टर 59 स्थित मिंडा कंपनी में शनिवार शाम को भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद कंपनी के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना में कुछ लोग चोटिल भी हुए हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की गई।

#### दिल्ली में 5 मंजिला इमारत ढही, 80 लोग दबे

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के साकेत क्षेत्र स्थित सैदुलअजाइब में शनिवार शाम 5 मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय भवन में पीजी, कैफे और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। भवन में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी बताई जा रही है। 70-80 लोगों के दबने की आशंका है।

#### आम, लीची, लड्डू लेकर सिंगापुर पहुंचे लालू

नई दिल्ली। राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सिंगापुर पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर उन्हें बेटी रोहिणी आचार्या ने रिसीव किया। अपने पिता से मिलते ही वह उनसे गले लग गईं। लालू अपनी बेटी के लिए घर से आम, लीची, लड्डू समेत अन्य चीजें लेकर पहुंचे। महीनों बाद अपने पिता से मिलने पर रोहिणी आचार्या भावुक हो गईं।

#### परमणी में निजी बस-बाइक की टक्कर, 4 मरे

मुंबई। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक निजी बस और बाइक की टक्कर हो जाने से बाइक पर सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मानवध्वंस के पास शुक्रावार रात हुए हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने निजी बस में तोड़फोड़ की। पुणे जा रही बस की सामने से आ रही बाइक से भिड़ी।

#### कार में जले मिले 4 शव बेटे ने ही की हत्या

अजमेर। अजमेर जिले के बोराड़ा में स्कॉर्मियो में 4 लोगों के जले हुए शव मिलने का मामला पारिवारिक हत्याकांड के रूप में सामने आया है। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में मामले का खुलासा कर दिया। मृतक पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी के 17 वर्षीय बेटे ने मां और बहन के साथ अंजाम दिया था।

## आरोप...अब सीयूईटी को लेकर राहुल ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज

# दावे विश्वगुरु के, एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सकते, किसे ‘बचाया’ जा रहा?

एजेंसी ►► नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राहुल ने 'एक्स' पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। 4 परीक्षाएं। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, 'विश्वगुरु' बनने के दावे किए जा रहे हैं।

### नीट, सीबीएसई समेत कई परीक्षाओं में लापरवाही की गई



देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से नहीं हुई

#### प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। राहुल ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

### वे किसे बचा रहे हैं, और क्यों? न्यायिक जांच की जाए

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए सार्थक के दावों का जिक्र किया और मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि सीबीएसई ने चयन प्रक्रिया के दौरान नियमों में बदलाव कर सीओईएमपीटी को फायदा पहुंचाया। सार्थक ने कथित तौर पर सीबीएसई के आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला दिया है।

#### राहुल के तंज पर भड़की भाजपा

#### राहुल गलत बयानबाजी कर रहे

राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा ने उन पर जमकर हमला बोला। पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

परीक्षाएं कराने में विफल रही सरकार राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी से जुड़े विवादों का हवाला देते हुए बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलता से आयोजित करने में विफल रही है। मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। जिस पीढ़ी का भविष्य आप तबाह कर रहे हैं।

#### ऐसे बयान गैरजिम्मेदाराना: शेखावत



केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल के बयान को 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, उनके बयान दिखाते हैं कि वे युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कितनी गैर-जिम्मेदारी से देखते हैं।

### जरांगे ने शुरू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया। मुंबई से 400 किमी दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में खुले मैदान में अनशन शुरू किया। मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप-समिति अध्यक्ष-मंत्री ने मनाने की कोशिश की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा

## मतदाता सूची में पात्र ही लोग, एसआईआर सुप्रीम कोर्ट की जांच में भी खरा उतरा

### केवल अपात्रों को हटाया जा रहा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि भारत के ऐसे सभी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है। जो लोग पात्र नहीं हैं उनके नाम व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे हैं। इनमें मृत, दोहराए गए नाम वाले, अनुपस्थित, स्थानांतरित और



विदेशी मतदाता शामिल हैं। वे केंद्रीय निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

### एसआईआर में 11 लाख अधिकारी तैनात

उन्होंने कहा कि इस कार्य को 11 लाख से अधिक बूथ-स्तर के अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और अन्य अधिकारी पूरा कर रहे हैं। ये राज्य सरकारों के कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रतिनियुक्ति पर लगाया गया है। सभी दुनिया की सबसे सटीक मतदाता सुचियों में से एक तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं।

## केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री चौहान ने घोषणा की

# देशभर में आज से पूरे माह चलेगा ‘खेत बचाओ अभियान’

### इस दौरान संतुलित उर्वरक उपयोग पर रहेगा विशेष जोर



#### उच्चस्तरीय बैठक में तैयार की रणनीति

नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक में चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का मुख्य फोकस खेतों की सेहत बचाने, कृषि लागत को नियंत्रित करने और किसानों को सही समय पर सही सलाह उपलब्ध कराने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केंद्र, राज्य और पंचायतों की साझी भागीदारी के मॉडल पर संचालित होगा।

#### सभी किसानों को जागरूक किया जाएगा

शिवराज ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख लक्ष्य होगा। किसानों को मृदा परीक्षण आधारित खेती, संतुलित खाद उपयोग, हरी खाद, जैविक उत्पादों और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन और प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएंगे।

### पूसा सम्मेलन में कृषि क्रांति का रोडमैप तैयार किया

नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में 28 और 29 मई को राष्ट्रीय खरीफ कॉन्फ्रेंस में देश के इतिहास में पहली बार 22 राज्यों के कृषि मंत्री एक साथ एक मंच पर जुटे। इसमें कृषि को केवल उत्पादन का विषय नहीं, बल्कि मिट्टी, पर्यावरण, किसान आय और भविष्य की सुरक्षा से जोड़ते हुए एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखने का संकल्प लिया। राज्यों के कृषि और बागवानी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा की।

#### सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ सुनाएगी फैसला

## दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिला को मंदिर जाने से ही रोका

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक पारसी महिला के साथ कथित धार्मिक भेदभाव के मामले में कहा है कि वह इस मुद्दे पर फैसला देने से पहले 9 जजों की संविधान पीठ के निर्णय का इंतजार करेगा। मामला उस पारसी महिला से जुड़ा है जिसने दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी की, लेकिन अपना धर्म नहीं बदला। उसे नागपुर के अग्नि मंदिर में प्रवेश से रोक दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के धार्मिक अधिकारों और समानता से जुड़ा बड़ा संवैधानिक सवाल है।

## राबड़ी के आवास पहुंची पटना पुलिस फोर्स बुला लो, बंगला खाली नहीं करेंगे, जो चाहे कर लो

एजेंसी ►► पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आवास पर पुलिस पहुंच गई है। सरकार से नोटिस मिलने के बाद शनिवार को हुई राबड़ी ने कहा था कि वह बंगला खाली नहीं करेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को फोर्स बुलाकर आवास खाली कराने की खुली चुनौती भी दी। इसके कुछ घंटे बाद ही पटना पुलिस की टीम 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास पर पहुंच गई। इससे बिहार का सियासी पारा गरमा गया है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष



राबड़ी देवी को राज्य सरकार ने 39 हार्डिंग रोड स्थित नया सरकारी आवास आवंटित किया है। उन्हें कई बार 10 सर्कुलर रोड बंगला खाली करने का नोटिस दिया जा चुका है, जिसमें आरजेडी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का परिवार दो दशक से रह रहा है। चौधरी ने उनकी चुनौती को स्वीकार कर लिया है।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की है कि 1 जून से 30 जून तक पूरे देश में 'खेत बचाओ अभियान' चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी संरक्षण, मौसम आधारित कृषि सलाह और सरकारी योजनाओं के लाभ से जोड़ना है। अभियान केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाले राष्ट्रीय जनअभियान के रूप में विकसित करने की तैयारी की गई है।

# बोधगया पहुंचे मिन आंग ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

► **बौद्ध विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया**

म्यांमार के राष्ट्रपति ने विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की। साथ ही भारत और म्यांमार के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के और मजबूत होने की प्रार्थना भी की

एजेंसी ►► गयाजी  
 भारत और म्यांमार के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती देने के उद्देश्य से म्यांमार यूनियन रिपब्लिक के राष्ट्रपति मिन आंग ह्वाइंग शनिवार को बिहार के बोधगया पहुंचे। राष्ट्रपति ने अपने चार दिवसीय भारत दौरे की शुरुआत विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर से की। वे म्यांमार एयरवेज इंटरनेशनल के विशेष विमान से सुबह 8:55 बजे गयाजी एयरपोर्ट पहुंचे। बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन, बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद राष्ट्रपति सिंधे बोधगया के लिए रवाना हुए।

4 दिवसीय भारत यात्रा पर आए म्यांमार के राष्ट्रपति

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्वाइंग ने बोधगया मंदिर में की पूजा

**बोधिवृक्ष और सुजाता मंदिर का भी किया दर्शन**  
 महाबोधि मंदिर में पूजा के बाद राष्ट्रपति ने बोधिवृक्ष का दर्शन किया। इसके बाद उन्होंने मुचलिंदा सरोवर और सुजाता मंदिर का भी भ्रमण किया। बौद्ध धर्म से जुड़े इन महत्वपूर्ण स्थलों के प्रति उन्होंने विशेष श्रद्धा व्यक्त की। बोधगया भ्रमण के दौरान स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। म्यांमार के डेलिगेशन के सदस्य भी उनके साथ मौजूद रहे। बोधगया यात्रा पूरी करने के बाद राष्ट्रपति दोपहर तीन बजे गयाजी एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

जयशंकर ने म्यांमार के राष्ट्रपति से की मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्वाइंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के प्रति राष्ट्रपति ह्वाइंग के सकरात्मक रुख की सराहना की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि भारत और म्यांमार के लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के प्रति उनके सकरात्मक दृष्टिकोण की सराहना करता हूं। शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बैठक का इंतजार है।

खबर संक्षेप

ट्रंप की बेटी टिफनी पहुंची अक्षरधाम मंदिर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बुलोस के साथ अक्षरधाम मंदिर पहुंचीं। भारत के निजी दौरे पर आए ट्रंप ने मंदिर परिसर देखा और यहां की भव्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक माहौल की सराहना की। करीबी दोस्तों के साथ पहुंचे टिफनी ट्रंप और माइकल बुलोस ने मंदिर में काफी समय बिताया। इस दौरान टिफनी ट्रंप ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि यह यात्रा बेहद शानदार रही। यहां की खूबसूरती अद्भुत है। इस शानदार अनुभव के लिए धन्यवाद।

200 करोड़ की ठगी में जैकलीन पर आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज एवं 15 अन्य के खिलाफ 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) प्रशांत शर्मा ने कहा कि पहली नजर में आरोपियों के खिलाफ रिफॉर्ड पर पर्याप्त सबूत हैं। इन सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ गंभीर संदेह पैदा होता है। इन पर मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत अपराध का आरोप लगाया जाना चाहिए।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकलीं पूर्व अमेरिकी मेयर

लॉस एंजेलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया के अर्काडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है। फिलहाल वांग 25,000 डॉलर के मुचलके पर बाहर हैं। उन्हें 6 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी।

## सिंगापुर में भारत ने रक्षा कूटनीति को गति दी रक्षा सचिव ने ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के अधिकारियों से की मुलाकात

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शनिवार को सिंगापुर में 'शांगरी-ला डायलाग' से इतर ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ और नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातों की। भारत ने प्रमुख हिंद-प्रशांत और यूरोपीय साझेदारों के साथ रक्षा कूटनीति को गति दी है। सिंह की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा सचिव मेघन क्विन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की, आगामी उच्चस्तरीय बैठकों पर चर्चा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विमर्श किया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, जहां से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। भारत के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र उसकी सुरक्षा रणनीति का मूल है, जिसके रणनीतिक हित भयवक्ता जलडमरूमध्य से लेकर फारस की खाड़ी तक फैले हुए हैं।

बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहभंग? सिर्फ मई में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 32,963 करोड़ रुपए

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार तीसरे महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से हजारों करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। नेशनल सिन्क्रोराइज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई 2026 में भारतीय शेयर बाजार से 32,963 करोड़ रुपए की भारी-भरकम

मलपुरम में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामला 3 राज्यों में 19 जगहों पर एनआईए की छापेमारी, नेटवर्क और कनेक्शन खंगाले

एजेंसी ►► कोचि

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को केरलम, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई केरलम के मलपुरम जिले में अवैध विस्फोटक बरामदगी मामले की जांच के तहत की गई। एजेंसी ने विस्फोटकों के सोर्स, सप्लाइ चैन और इससे जुड़े संभावित नेटवर्क का पता लगा रही है। एनआईए ने केरलम में मलपुरम जिले के तिरुंगडी में में एनआईए ने वेंयरहाउस और वंदूर के पुथियाथुकुन्नू में लॉरी मालिक के

पुथियाथुकुन्नू में लॉरी मालिक के घर छापेमारी

घर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला मलपुरम का है। 7 फरवरी 2026 को पुलिस ने चेम्माड (मलपुरम) में प्याज से लदे एक ट्रक से 448 बक्सों में छिपाई गई 89,600 जिलेटिन की छड़ें और 10,500 डेटोनेटर बरामद किए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इसके संभावित दुरुपयोग और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी।

दुनिया पर छाई भारत की ‘मसाला चाय’, पहले पायदान पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

हमारे देश में अधिकतर लोगों की शुरुआत चाय से होती है, हालांकि सिर्फ भारत में ही नहीं विदेश में भी लोग चाय के दीवाने हैं। हालांकि अब दुनिया भी वो बात मान गई है जो हम सालों से जानते थे, यहीं की मसाला चाय दुनिया की सबसे बेहतरीन चाय है। हाल ही में प्रसिद्ध फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने दुनिया भर की 100 बेस्ट चाय की सूची जारी की है, जिसमें भारतीय मसाला चाय को पहला स्थान मिला है। यह खबर पूरे देश के लिए गर्व की बात है। हम में से काफी लोग मसाला चाय पीना पसंद करते हैं, ये सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि भावनाओं का मिश्रण है। मसाला चाय में वेंयरहाउस और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंता जताई थी।

दुनिया के मंच पर दिखा भारत का दम अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- भारत ‘महाशक्ति’ हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बना रहा

एजेंसी ►►सिंगापुर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना को आधुनिक बना रहा है। भारत खासतौर पर हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है। सिंगापुर में हर साल एक बड़ी सुरक्षा बैठक होती है जिसे शांगरी-ला संवाद कहते हैं। इसमें दुनियाभर के रक्षा मंत्री और सेना के बड़े अधिकारी आते हैं। इस साल 44 देश इसमें शामिल हुए। शनिवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यहां भाषण दिया।

भारत-अमेरिका मिलकर सैन्य हथियार और उपकरण बनाएंगे

पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत बड़ी और भारी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी फैक्ट्री और सप्लाइ की व्यवस्था तैयार कर रहा है। अमेरिका ने भारत के साथ मिलकर हथियार और सैन्य उपकरण बनाने का वादा किया है। इसे को-प्रोडक्शन कहते हैं यानी दोनों देश साथ मिलकर बनाएंगे।

फूड रेटिंग प्लेटफॉर्म टेस्टएटलस ने जारी की विश्व की 100 चायों की सूची

100 में से 6 भारतीय चायों का जलवा

दुनिया की अन्य खास चाय

मसाला चाय में अदरक इलायची, दालचीनी लौंग और काली मिर्च का मिश्रण होता है

भारतीय मेहमान है। ये हमारे रिवाज, बाबतों शुरू करने का तरीका, काम के बीच ब्रेक, रेलवे स्टेशन का साथी और कभी-कभी गुप्त थेपों भी हैं। सूची को देखकर पता चलता है कि भारत की चाय को लोग किना पसंद करते हैं। कहीं मसालादार मसाला चाय, कहीं फूलों जैसी खुशबू वाली दार्जिलिंग, कहीं मजबूत असम चाय, तो कहीं नमकीन गुनाबी नून चाय ने सभी के दिलों में जगह बनाई।

महात्मा बुद्ध के शिष्यों के अस्थि अवशेष दिल्ली से मंगोलिया पहुंचे

गजराज ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने बड़े विमान 'गजराज' ने एक अहम मिशन को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना का बड़ा विमान 'गजराज' शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को दिल्ली से मंगोलिया ले जाने के मिशन में शामिल रहा। यह मिशन सांस्कृतिक कूटनीति और भारत की सभ्यतागत विरासत के वैश्विक प्रसार का प्रतीक माना जा रहा है। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध के अवशेषों को ज्ञान, करुणा और मोक्ष के प्रतीक के रूप में अत्यंत श्रद्धा से देखा जाता है। मंगोलिया में इन अवशेषों का प्रदर्शन दोनों देशों के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करता है। 'गजराज' भारतीय वायुसेना का प्रमुख भारी भ्रमण परिवहन विमान है और इसे आईएल-76एमडी नाम से भी जाना जाता है। महात्मा बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहत सारिपुत्र और अरहत मौद्गल्यान के पवित्र अवशेष हैं। इन अवशेषों को मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में 9 जून तक प्रदर्शित किया जाएगा। ये अवशेष यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खाली स्तूप से जुड़े हैं, जिसे बौद्ध धर्म के सबसे पूजनीय केंद्रों में से एक माना जाता है।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा बयान ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अभी जारी जरूरत पड़ी तो 2.0 के लिए रेडी

एजेंसी ►►पुणे

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेनाएं किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' करने के लिए भी तैयार हैं। पुणे के खडकवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में जनरल द्विवेदी ने कहा कि फिलहाल शत्रुता पर अस्थायी विराम है, लेकिन सेना पूरी सतर्कता के साथ तैयारियों में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारा फोकस तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और भविष्य के युद्धों के लिए खुद को तैयार करने पर है। सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और भविष्य के संघर्ष केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रहेंगे। भविष्य के युद्धों में अंतरिक्ष, साइबर और सूचना युद्ध जैसी नई चुनौतियां बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

दुनिया के मंच पर दिखा भारत का दम अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- भारत ‘महाशक्ति’ हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बना रहा

एजेंसी ►►सिंगापुर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना को आधुनिक बना रहा है। भारत खासतौर पर हिंद महासागर में ताकत का संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है। सिंगापुर में हर साल एक बड़ी सुरक्षा बैठक होती है जिसे शांगरी-ला संवाद कहते हैं। इसमें दुनियाभर के रक्षा मंत्री और सेना के बड़े अधिकारी आते हैं। इस साल 44 देश इसमें शामिल हुए। शनिवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यहां भाषण दिया।

भारत-अमेरिका मिलकर सैन्य हथियार और उपकरण बनाएंगे

पीट हेगसेथ ने कहा कि भारत बड़ी और भारी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी फैक्ट्री और सप्लाइ की व्यवस्था तैयार कर रहा है। अमेरिका ने भारत के साथ मिलकर हथियार और सैन्य उपकरण बनाने का वादा किया है। इसे को-प्रोडक्शन कहते हैं यानी दोनों देश साथ मिलकर बनाएंगे।

इंफो-पैसिफिक में किसी का दबाव नहीं चलेगा

हेगसेथ ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र यानी इंडो-पैसिफिक दुनिया का सबसे अहम इलाका है। अमेरिका इस इलाके में शांति और संतुलन बनाए रखना चाहता है। वह नहीं चाहता कि कोई एक देश पूरे इलाके पर अपना दबकाव बना ले। उन्होंने सीधे चीन का नाम लेते हुए कहा कि कोई भी देश, चीन सहित, इस इलाके में अपना वर्चस्व नहीं थोप सकता।



### कवर स्टोरी / स्नेहा सिंह

आज हम सब तकनीक के उन्नत दौर में जी रहे हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट और टेलीविजन जैसे उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा ने हमें धीरे-धीरे प्रकृति से दूर भी कर दिया है। सुबह आँख खुलते ही हाथ मोबाइल तक पहुँचता है और रात में नींद आने तक स्क्रीन हमारी आँखों के सामने रहती है। ऐसा लगता है मानो आधुनिक जीवन का हर पल किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ गया हो।

**तकनीक का नकारात्मक प्रभाव:** तकनीक ने संचार, शिक्षा, व्यापार और मनोरंजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। लगातार स्क्रीन के सामने रहने की आदत ने हमारे शरीर और मन दोनों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा अर्थ है, कुछ समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के करीब जाना जरूरी है।

**बहुत कारगर है नेचर हीलर:** आज विज्ञान भी यह स्वीकार कर चुका है कि प्रकृति केवल सौंदर्य निहारने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली चिकित्सक की तरह भी होती है। पेड़, हरियाली, खुला आकाश, मिट्टी और ताजी हवा हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं होते हैं। जब कोई व्यक्ति प्रकृति के बीच समय बिताता है, तब उसके शरीर में कई सकारात्मक जैव-रासायनिक परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बगीचे में घास पर नंगे पैर चलना अत्यंत लाभदायक है। इस प्रक्रिया को अर्थिंग या ग्राउंडिंग कहा जाता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को पृथ्वी से सीधा संपर्क लगभग समाप्त कर दिया है। डाक्टर की सड़कें, सीमेंट के फर्श और रबर के जूते हमें प्रकृति से अलग कर चुके हैं। जबकि

### प्रिक्षाशन

#### लोकगित्र गौतम

हर साल 31 मई को दुनिया भर में 'वर्ल्ड नो टोबैको-डे' यानी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। लेकिन हेरागो की बात ये है कि यह दिवस जोर-शोर से मनाए जाने के बावजूद आखिरकार दुनिया तंबाकू की जानलेवा गिरफ्त से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है?

**चिंता बढ़ाते आंकड़े:** दुनिया भर में तंबाकू का सेवन लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोग सीधे तंबाकू सेवन के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं, जबकि 12 से 13 लाख लोग प्रोक्ष धूम्रपान यानी धूम्रपान करने वाले लोगों के साथ रहने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

### पुस्तक चर्चा / विज्ञान मूषण

### विडंबनाओं पर कटाक्ष

विश्व साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी के व्यंग्यों का नया संग्रह 'बाराखड़ी' हाल में छपकर आया है। इसमें कुल 61 व्यंग्य संकलित हैं। पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा है कि पिछली सदी को पलाश की तलवारों से तेजी से बदलते दौर में व्यंग्य लेखन की शैली का बदलाव भी जरूरी है। इस संग्रह के व्यंग्यों से गुजरते हुए, उनकी यह बात सही साबित होती है। विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से ग्रस्त समाज की विडंबनाओं के नए-नए चेहरों को लेखक ने नए अंदाज में व्यंग्यों में अनावृत्त किया है। 'घोटालालपुर' व्यंग्य में वे आम लोगों की मानसिकता पर सटीक कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'सभी कर रहे हैं, सब तरफ हो रहा है तो समय रहते मैं भी कर डालूँ, यह सोचा है।' राजनीति किस तरह भोले-भाले ईसान के भरोसे के साथ खिलवाड़ करती है, और फिर वह हतप्रभ होकर अपना मार्ग बदल लेता है, इसे 'नारा स्पियरिंग सेंटर' में पढ़ा जा सकता है। 'वह सालों तक खुशफहमी पाले रहा कि नारों पर अमल करके एक दिन यह देश बदल जाएगा, यहां क्रांति होगी।' पुस्तक के लगभग सभी व्यंग्य हमें झिंझोड़कर हमारी वह तस्वीर दिखाते हैं, जिन्हें देखने से हम बचना चाहते हैं। \*

**पुस्तक:** बाराखड़ी (व्यंग्य-संग्रह), **लेखक:** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्य:** 395 रुपये, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

**विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून**

यह चिंताजनक बात है कि प्रकृति की निकटता का महत्व समझते हुए भी आज के समय में अधिकांश लोग उससे दूर होकर दिन के कई घंटे विभिन्न डिजिटल स्क्रीन के साथ बिताते हैं। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें प्रकृति के सान्निध्य में रहना चाहिए। साथ ही उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प भी हमें लेना चाहिए।

## प्रकृति से जुड़ाव सुधारेगा स्वास्थ्य बेहतर होगा पर्यावरण

हमारे पैरों के तलवों में शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़े तंत्रिका बिंदु होते हैं। घास और मिट्टी पर चलने से इन बिंदुओं पर प्राकृतिक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

प्रकृति केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। पेड़-पौधे वातावरण में फाइटोनसाइड्स नामक जैविक रसायन छोड़ते हैं। ये तत्व मनुष्य के शरीर में जाकर श्वेत रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। नीम, पीपल, बरगद और अन्य विशाल वृक्ष केवल छाया देने का काम नहीं करते, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध बनाकर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। यही कारण है कि गांवों और हरियाली वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य अकसर बेहतर पाया जाता है।

**स्क्रीन की लत से बिगड़ता स्वास्थ्य:** अगर आप वर्कफ्री हैं तो ऑफिस का ज्यादातर काम कंप्यूटर पर होता है, खाली समय मोबाइल पर स्कॉल करते बीतता है और मनोरंजन टेलीविजन या ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। परिणामस्वरूप शरीर लगातार कुत्रिम रोशनी के संपर्क में रहता है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव डालती है। इससे आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन बढ़ने लगता है।

लंबे समय तक स्क्रीन देखने से सिरदर्द, गर्दन और कंधों में दर्द तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चे हों या बड़े, लगभग हर आयु वर्ग इसके दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है।

सबसे गंभीर प्रभाव हमारी नींद पर पड़ता है। रात में देर तक मोबाइल देखने से शरीर में मेलानिनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। धीरे-धीरे यह स्थिति तनाव, अवसाद और निडरिचिडोपन का कारण बन जाती है।

**आंखों-मस्तिष्क को मिले आराम:** लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। हमारा ध्यान केवल



नजदीकी वस्तुओं पर केंद्रित रहता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति हरियाली और दूर तक फैले प्राकृतिक दृश्यों को देखता है, तो आंखों को आराम मिलता है।

हरा रंग आंखों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। प्रकृति की हरियाली आंखों की थकान कम करती है और मानसिक तनाव को भी घटाती है। यही कारण है कि पार्क में कुछ समय बिताने के बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत और ताजगी से भरा महसूस करता है।

**पौधों के संग बिताएं समय:** आज के दौर में लोग अधिकांश समय डिजिटल दुनिया से जुड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में यदि हम प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं तो अपने शरीर और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बना सकते हैं। इसके लिए हम रोज कुछ समय अपने गार्डन में या बालकनी के गमलों में लगे पौधों की देखभाल कर सकते हैं। सुबह-शाम उनको पानी दे सकते हैं। उनकी मिट्टी की गुड़ाई कर सकते हैं, उसकी सफाई कर सकते हैं। इससे आपको पेड़-पौधों के करीब रहने का अवसर मिलेगा। यही नहीं आप रोज सुबह-शाम अपने आस-पास के किसी पार्क में वॉक करने जा सकते हैं। कुछ देर वहां की ताजी हवा में सांस ले सकते हैं। पेड़ों के झुरमुट में पक्षियों के कलरव को सुन सकते हैं। यकीन मानिए, पूरे दिन में से प्रकृति के करीब बिताए गए कुछ मिनट आपको न केवल ताजगी से भर देंगे, आपको प्रकृति की महत्ता का अहसास भी कराएंगे। जाहिर है, इससे आप प्रकृति के प्रति, अपने आस-पास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आप उसको स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी प्रेरित होंगे। \*

### विशेष: तंबाकू निषेध दिवस 31 मई

## इसलिए नहीं धूटती तंबाकू की लत

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक होता है। ऐसे में केवल एक दिन ही नहीं हर रोज अनेक स्तरों पर प्रयास करने, लोगों को जागरूक किए जाने की जरूरत है।



**कई बीमारियों की वजह:** कुछ लोगों को लगता है कि तंबाकू केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सच्चाई यही नहीं है। सच यह है कि तंबाकू सबसे ज्यादा तरह के कैंसर होने का कारण है। तंबाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होता है, मुँह का कैंसर, गले और जीभ का कैंसर, स्वर यंत्र का कैंसर, अन्न नली, पेट और अन्नयाशय का कैंसर, ये सभी

तरह के कैंसर विशेषकर भारत में गुटखा, खैनी और जर्दा खाने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा भी तंबाकू के सेवन से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और हृदय की धमनियों का संकुचन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। तंबाकू के लगातार सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो जाती है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। घाव मुश्किल से

भरते हैं। अगर गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं, तो समय से पहले प्रसव की समस्या पैदा हो जाती है, पैदा होने वाले बच्चे का वजन बहुत कम रह जाता है, गर्भपात का खतरा 30 फीसदी ज्यादा बढ़ जाता है और नवजात की मृत्यु का जोखिम सामान्य से कई गुना ज्यादा हो जाता है। इस तरह देखें तो तंबाकू के सेवन से एक नहीं अनेक तरह के स्वास्थ्य

संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। **युवाओं में बढ़ा ट्रेंड:** दुनिया में तंबाकू का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। अगर विशेष तौर पर युवाओं की बात करें तो वे फिटनेस एप डाउनलोड कर रहे हैं, जिम जा रहे हैं, ऑर्गेनिक भोजन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन सिगरेट, गुटखा और विभिन्न

निकोटिन उत्पादों की लत से निकल नहीं पा रहे। पहले जहां बीड़ी और सिगरेट ही युवाओं को गिरफ्त में लेने के दो बड़े तंबाकू उत्पाद थे, वहीं अब प्लेवर्ड वेप, ई-सिगरेट, निकोटिन पाउच और न जाने कितने आकर्षक पैकेजिंग वाले तंबाकू उत्पाद बाजार में आ गए हैं, जिनके मोहजाल से युवा तो छोड़िए, किशोर भी नहीं छूट पा रहे। कंपनियां इन्हें कूल,

स्टाइलिश और तनाव दूर करने वाला बताकर पेश करती हैं। सोशल मीडिया पर फिल्मों, वेब सीरीज और इंफ्लुएंसर संस्कृति ने भी धूम्रपान को एक नई तरह का रूलेमर से जोड़ दिया है। इसलिए यंगस्टर्स इसकी गिरफ्त में बढ़ते जा रहे हैं।

**कारगर नीति की है कमी:** भारत की स्थिति तो विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहां धूम्रपान के अलावा चबाने वाले तंबाकू का भी एक भारी-भरकम बाजार है। गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और सुगंधित निकोटिन उत्पाद, गांवों से लेकर महानगरों तक युवाओं की कमजोरी बनकर रह गए हैं। सरकार एक तरफ तो



तंबाकू के सेवन पर बहुत चिंतित होती है, दूसरी तरफ हर तरह के तंबाकू उत्पाद गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह इतनी आसानी और इफ़रात में उपलब्ध हैं कि जरा-सा इनकी तरफ कोई फिसला नहीं कि हमेशा के लिए इसके चक्रव्यूह में फंसकर रह जाता है।

हद तो यह है कि जैसे-जैसे विकास के नाम पर, आधुनिकीकरण के नाम पर, तेज रफ्तार लाइफस्टाइल के नाम पर, लोग स्मार्ट हो रहे हैं, वैसे-वैसे तंबाकू उत्पादन के सेवन को सामान्य आदत मानते जा रहे हैं। इसलिए हर साल 'नो टोबैको-डे' की रस्म अदायगी के बावजूद तंबाकू का सेवन पूरी दुनिया में दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल प्रतिबंध से बात नहीं बनने वाली बल्कि धूम्रपान के स्वास्थ्य एवं कानूनी सांस्कृतिक अभियान की जरूरत है, तब कुछ असर होगा। \*

### विशेष: विश्व साइकिल दिवस 3 जून

## साइकिलिंग का डबल फायदा

## स्वस्थ शरीर-शुद्ध वातावरण

मले ही आज की फास्ट लाइफ में साइकिल चलाना कम ही लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसे चलाने से न केवल स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे मिलते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी यह मददगार है। इससे होने वाले तमाम फायदों पर एक नजर।

### अवेयरनेस / नवरा नदीम

आज के दौर में खान-पान में होने वाले बदलाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवन में बढ़ते तनाव के कारण कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए डॉक्टर स्वस्थ रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी को बेहद जरूरी मानते हैं। इन एक्टिविटीज में साइकिलिंग को बहुत कारगर माना जाता है, जिसे करके हम न केवल वजन घटा सकते हैं, कई बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आस-पास के वातावरण को भी प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

**वातावरण को लाभ:** साइकिल में पेट्रोल, डीजल या किसी अन्य प्रकार का ईंधन इस्तेमाल नहीं होता है। इसलिए इससे वायु प्रदूषण बिल्कुल नहीं होता है। इसमें बिजली का भी यूज नहीं होता, इस तरह एनर्जी की बचत होती है। इसमें तेज आवाज वाले हॉर्न नहीं होते हैं, इससे ध्वनि प्रदूषण भी नहीं होता है। इसका आकार छोटा होता है, इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है।

**उपयुक्त समय-स्थान:** साइकिल चलाने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि खाली पेट साइकिल चलाने से बॉडी फैट जल्दी बर्न होता है। शुरुआती दौर में सीधी सपाट रोड पर साइकिलिंग और बाद में ज्यादा कैलेंड्रीज बर्न करने के लिए, वजन घटाने के लिए चढ़ाई पर भी साइकिलिंग की जा सकती है। जिस समय साइकिल चला रहे हों, अपने पोस्चर पर फोकस करें। साइकिल चलाने समय एक ही पोस्चर में न रहकर उसमें बदलाव करते रहें ताकि शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी जोर पड़े।

**पैडलिंग:** साइकिलिंग के रूटीन को शुरू करने से पहले कहाँ से पैडलिंग करनी है और कहाँ आराम से राइड करना है, यह ध्यान रखना जरूरी है। पैरों की मदद से जब पैडलिंग की जाती है तो पैर ऊपर से नीचे की तरफ एक्टिविटी करते हैं। इससे पैरों की मसलस से लेकर शरीर के निचले हिस्से और ऊपर के हिस्से की मसलस मजबूत होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है।

**होने वाले स्वास्थ्य लाभ:** साइकिलिंग दिल के स्वास्थ्य



के लिए बहुत बेहतर एक्सरसाइज है। इससे ब्लड सर्कुलेशन से जुड़े जोखिम को कम कर सकते हैं। जो लोग ऑफिस या किसी दूसरे स्थान पर दिन भर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए साइकिलिंग इसलिए भी बेहतरीन एक्सरसाइज है, क्योंकि इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। साइकिल चलाने से इंसुलिन लेवल कम होता है। विभिन्न शोध इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पुरुषों ही नहीं महिलाओं के लिए भी साइकिलिंग एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। यह उनमें ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करती है। जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करने के लिए भी साइकिलिंग काफी फायदेमंद होती है। अर्थराइटिस में भी यह एक अच्छी एक्सरसाइज है। इससे मसलस मजबूत होती हैं और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। साइकिलिंग से हमें डिप्रेशन और टेंशन कम होता है।



**बुजुर्गों के लिए फायदेमंद:** जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण व्यायाम करना मुश्किल होता है। लेकिन उम्र बढ़ने के बावजूद साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो आसानी से हो सकता है और जिसके कई फायदे हैं। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि साइकिल चलाने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है। साइकिल चलाने से ओल्ले एज में भी निरोगता बढ़ती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों में कैंसर, हृदय रोग और समय पूर्व मृत्यु की आशंका कम होती है। साइकिलिंग से पहले अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट डाइट लें। इस दौरान आप स्नैक्स भी ले सकते हैं। साइकिलिंग करते समय हाइड्रेट रहें। जो लोग सामाजिक रूप से दूसरों से अलग रह रहे हैं, इस उम्र में उनमें अवसाद की आशंका रहती है। इसलिए फ्रेंड्स के साथ साइकिलिंग करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि आप खुशामिजाज जीवन जी सकते हैं। \*

## मन का पर्यावरण

सोमेश जी को जब मालूम हुआ कि घर के नवीनीकरण के लिए उनका पुराना साथी नीम का पेड़ कटने वाला है तो वे बहुत बेचैन हो गए। अपनी मनोदशा उन्होंने अपने पौत्र से साझा की। फिर जो हुआ, वे सुखद एहसास से भर गए।



शहर में चला गया था। सोमेश जी ने पलाश को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सही साथी माना, लेकिन अपनी बात उन्हें फोन पर कहना उचित नहीं लगा। उन्होंने पलाश को एक पत्र लिखा।

प्रिय बेटा पलाश, स्नेहाशोष

आशा है तुम कुशल होंगे। शायद यह तुम्हारे जीवन का पहला खत होगा, आज की डिजिटल दुनिया में खतों का अस्तित्व मिट-सा गया है। लेकिन आज भी मुझे यह ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लग रहा है, जिसमें मैं अपने आप को सहज महसूस कर रहा हूँ। मेरे मन में एक कसक है, जिसको मैं तुमसे बांटना चाहता हूँ। तुम्हारे माता-पिता घर का नवीनीकरण करवाना चाहते हैं, जिसमें वो नीम के पेड़ को कटवाना चाहते हैं। तुम जानते हो इस नीम से मुझे गहरा लगाव है, उसकी जड़ें मेरे जीवन की जड़ों से जुड़ी हैं। वो मेरे

अकेलेपन का साथी है, साथ ही मेरे पिता द्वारा लगाया गया स्नेह भी है, जिसकी छाया में मैं बड़ा हुआ हूँ। इस स्नेह को मैं भावी पीढ़ियों को भी हस्तांतरित करना चाहता हूँ। मुझे उस पेड़ से भावनात्मक प्रेम है। आशा है तुम मेरे एहसास समझोगे बेटा और कोई उपयुक्त हल निकालोगे। यह पेड़ न केवल मेरी आत्मा से जुड़ा है वरन् हमारे घर के पर्यावरण और सकारात्मकता का प्रतिबिंब भी है।

असौम स्नेह के साथ तुम्हारा दादा जी

सोमेश जी ने अपने मन के भाव खत में उकेर कर उसकी फोटो लेकर, पलाश को भेज दिया। सोमेश जी, बेसब्री से पलाश की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे। सृष्टि में एकाकी कोई नहीं, आज सोमेश जी को नीम का पेड़ अपने अकेलेपन का साथी लग रहा था, जिसके बीच के लिए उन्होंने अपने दूसरे साथी पलाश को चुना। जीवन यात्रा में हर पड़ाव पर

मन का साथी चाहिए।

कुछ समय पश्चात ही पलाश का व्हाट्सएप पर मैसेज आया, सोमेश जी ने तुरंत अपना फोन खोला और बेसब्री से उसे पढ़ना शुरू किया-

आदरणीय दादा जी सादर अभिवादन

मैं कितना भाग्यशाली हूँ कि जीवन में पहली चिट्ठी मुझे आपकी मिली, जिससे मुझे न केवल पत्रों का वजुद पता चला, बल्कि आपके स्नेहपूर्ण जज्बात भी पता चले। आप घर में सबसे बड़े हैं, आपकी भावनाएं घर के नवीनीकरण से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। नीम का पेड़ न केवल आपके जीवन का साक्षी है, बल्कि मेरे और मेरे पापा के जीवन का भी साक्षी है, तो ऐसे पेड़ को हम कैसे कटवा सकते हैं? साथ ही नीम रात्रि में ऑक्सीजन छोड़ने वाला पेड़ है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक भी है। मैं तीन दिन बाद घर आ रहा हूँ। आकर मां, पापा से पेड़ को नहीं काटने की बात कर लूँगा, उन्हें कहूँगा कि मैं नहीं चाहता कि यह पेड़, जिसकी छांव में मैं बड़ा हुआ हूँ, काटा जाए। उन्हें नीम का पर्यावरण में महत्त्व भी बताऊँगा। आप निश्चित रहें, और हां दादा जी, हम एक नया पौधा भी लगाएंगे, जिसके छांव तले हमारी भावी पीढ़ियां पल्लवित हों, ताकि उनसे मैं कह सकूँ कि यह मेरे दादा जी की अमानत है, जो मेरे घर के पर्यावरण के साथ मेरे जीवन के सभी सुख-दुख का भी साक्षी रहा है।

आपका सबसे छोटा दोस्त पलाश

पलाश का ऐसा भावपूर्ण पत्र पढ़कर सोमेश जी की आँखें स्नेह से भर आईं। सोमेश जी सोच रहे थे कि जिस पेड़ की जड़ों में भावों का इतना अकूत खजाना हो, उसकी परवरिश कमतर कैसे हो सकती है। सोमेश जी की सानी गर्व से फूल गया कि पलाश आखिर इसी नीम की छांव में बड़ा जो हुआ है। यह सब सोचकर सोमेश जी मंद-मंद मुस्कुराते हुए सोच रहे थे। पेड़ न केवल पर्यावरण का संतुलन रखते हैं, वरन् मन के आंगन के पर्यावरण का भी भावनात्मक संतुलन बनाए रखते हैं। \*

**रुस्ट टीम:** हश्मतुल्लाह शहीदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमनुल्लाह उमरजई, शरफुद्दीन अशरफ, नंगेरालिया खारोटाई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी, सलीम साफी।

# संतूर की सुर लहरियों से सराबोर हुई पूनम महोत्सव की शाम, लोगों ने लिया आनंद

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित पूनम महोत्सव की शाम शनिवार को सुरों, संवेदनाओं और संगीत की मधुर लहरियों से सराबोर हो उठी, जब देश के प्रसिद्ध संतूर वादक राहुल शर्मा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। चांदनी रात और खुले आसमान के नीचे आयोजित इस विशेष संगीत संध्या में श्रोताओं ने देर रात तक भारतीय शास्त्रीय संगीत की दिव्यता का आनंद लिया। राहुल शर्मा ने संतूर की मधुर ध्वनियों के साथ रागों की ऐसी भावपूर्ण प्रस्तुति दी कि पूरा वातावरण संगीत की अलौकिक अनुभूति से भर गया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में हुआ आयोजन

श्रोताओं को संगीत की अलौकिक अनुभूति



राग यमन की प्रस्तुति से हुआ पूर्व रंग का आगाज

पूर्व रंग शास्त्रीय संगीत श्रृंखला में युवा शास्त्रीय गायक साई ऐश्वर्य महाशब्दे ने राग यमन की भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हारमोनियम पर निलय साल्वी, तबले पर ओमकार तोडकर तथा तानपुरे पर परमेश्वर बंसल एवं चिन्मय नेमा ने उत्कृष्ट संगत देकर प्रस्तुति को गरिमामय बनाया।

परंपरा, नवाचार का सुंदर समन्वय बना संतूर वादन

राहुल शर्मा की अंगुलियों से निकलती सुरलहरियों ने कभी शांति और सुकून का एहसास कराया, राहुल ने सर्वप्रथम राग कलावती से शुरुआत की, उसके बाद रूपक ताल तत्पश्चात मध्य लय में तीन ताल की प्रस्तुति दी, जिसमें अपनी सुरमयी संतूर प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने संतूर की मधुर झंकार के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहनता, संवेदनशीलता एवं आध्यात्मिक सौंदर्य को अभिव्यक्त किया। उनकी प्रस्तुति में परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय देखने को मिला।



बाल नाट्य, ओडिसी नृत्य, चित्रकला के नाम रहा सदानीरा का चौथा दिन

## ‘जल प्रवाह’ की मनमोहक प्रस्तुति में गंगा स्तवन के साथ गूंजा जल संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

भारत भवन में जारी सदानीरा महोत्सव के चौथे दिन जहां सुबह के सत्र में देशभर से आए लगभग 100 लोक, पारंपरिक और जनजातीय कलाकारों ने अपनी विशिष्ट कला शैलियों पटुआ, कलमकारी, जोगी कलम, मंजूषा, मिथिला (मधुबनी), टिकुली और पहाड़ी चित्रकला के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन का संदेश दिया तो शाम होते होते रंग बिरंगी रौशनी के बीच लोकगायन, मिराज मेलोडीज और जल प्रवाह नृत्य नाटिका ने दर्शकों को गद गद कर दिया।

सुबह के सत्र में देशभर से आए लगभग 100 लोककलाकारों ने दी प्रस्तुति

पहाड़ी चित्रकला के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन का संदेश दिया



भारत भवन में आयोजित सदानीरा महोत्सव में प्रस्तुति देते हुए जनजातीय कलाकार।

विलुप्ति की कगार पर थी मौर्यकालीन

चित्रकला कार्यशाला में पटना से आई अरुंधति महतो ने टिकुली कला की ऐतिहासिक यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया क मौर्यकालीन परंपरा से जुड़ी यह कला कभी विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई थी, लेकिन उपेंद्र महारथी के प्रयासों से इसे नया जीवन मिला। आज हजारों कलाकार इस कला से जुड़े हैं और इसे भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग दिलाने की दिशा में प्रयास जारी हैं।



साइंस सेंटर में कार्यशाला आयोजित विशेष सौर फिल्टर और उन्नत दूरबीनों से किया सौर अवलोकन

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

साइंस सेंटर में अवकाश रचनात्मक विज्ञान कार्यशाला 2026 के अंतर्गत कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय ‘एस्ट्रोनामी: द स्टडी ऑफ द सन एंड द सनसॉर्ट्स’ कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यशाला में विद्यार्थियों को सूर्य की संरचना, सनस्पॉट्स, सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम तथा खगोलीय अवलोकन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान की गईं। प्रतिभागियों ने सन टू कोर मॉडल, सनडायल तथा लैंग्रेंज पॉइंट मॉडल तैयार कर वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण सुरक्षित सौर अवलोकन सत्र रहा, जिसमें विशेष सौर फिल्टर एवं उन्नत दूरबीनों की सहायता से विद्यार्थियों ने सूर्य और उसकी सतह पर मौजूद सनस्पॉट्स को देखा। विद्यार्थियों ने बताया कि इस कार्यशाला से उनकी खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा और अधिक बढ़ी है।



अंजना यादव ने एवेरेस्ट फतह कर बहाया देश का गौरव

स्टोरी टेलिंग और कविताओं से सजी छतनारा अलिफ, मीम, दाल और शीन मेरे, हर्फ लेलो उधार दो-तीन मेरे...



हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

अलिफ, मीम, दाल और शीन मेरे, हर्फ लेलो उधार दो-तीन मेरे, है कहाँ कश्का भी खींचने वाले, कितने ना-खुश हैं मुअज्जिन मेरे.... अमित गांगुली की इसी नज्म के साथ शनिवार शाम छतनारा की 56वीं संगत का आगाज हुआ, जिसमें कवि और शायरों ने एक से बढ़कर एक नज्म व शेर प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब तालियां बंटीं।

पास गए तो कुछ न पाया, जो कुछ भी चमकीला है...

कार्यक्रम में मगन दीक्षित ने सुनाया सब आंखों की लीला है, दूर से पानी देखा तुमने, जाना आगे गोला है, पास गए तो कुछ ना पाया, जो कुछ भी चमकीला है...। वहीं साइकोलॉजिस्ट सिद्धा खान ने कहा कि वे दूसरी बार संगत में आई हैं। हर्षिता वाहडे ने अपनी कहानियां सुनायीं। सूरज गोस्वामी ने अपनी गजलों से वाहवाही लूटी।



क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में प्रतिभागियों ने जाना पड़ें का महत्व

भोपाल। क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में पेड़ों को पहचाने कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया, जिसके अंतर्गत मप्र शासन के पूर्व उप वन संरक्षक डॉ. सुदेश बाधमारे ने प्रतिभागियों को पेड़ों को पहचानने के तरीकों जैसे पेड़ का आकार-प्रकार, उनकी पत्तियों के आकार-प्रकार, छाल, फूल की संरचना, फल आदि के साथ-साथ पेड़ों का मानव, कीट पतंगों, पक्षियों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। इस दौरान संग्रहालय परिसर में पाए जाने वाले पेड़ों जैसे-चम्पा, चिलबिल, काला सिरस, ताम्रफली, शीशम, कसौंदरी, जायपुन आदि को पहचानने की विधि बताई।

लोकप्रिय गीतों से माहौल बना संगीतमय

संगीत संध्या का विशेष आकर्षण बॉलीवुड गायक असलम हमदुले की प्रस्तुति रही, जिन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों से माहौल को और अधिक संगीतमय बना दिया। गीत गाता चल समूह के संस्थापक लक्ष्मण सिंह और आयोजक एकता आर. सिंह ने बताया कि समूह लंबे समय से संगीत प्रेमियों को उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रहा है।



जबलपुर में आयोजित ‘मैलोडी नाइट’ में प्रस्तुति देते कलाकार।



समूह के संस्थापक लक्ष्मण सिंह सम्मान करते हुए।

हरिभूमि न्यूज़ ॥भोपाल

राजधानी भोपाल के प्रतिष्ठित संगीत समूह गीत गाता चल के कलाकारों ने जबलपुर में आयोजित ‘मैलोडी नाइट’ में अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं का दिल जीत लिया। महाकौशल शहीद स्मारक ऑडिटोरियम में आयोजित इस संगीत संध्या में भोपाल से पहुंचे कलाकारों ने सदाबहार गीतों और मधुर

नम्रों के माध्यम से यादगार समों बांध दिया। गीत गाता चल और जस्सी संधु द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भोपाल के कलाकारों ने पुराने दौर के लोकप्रिय फिल्मी गीतों से लेकर भावपूर्ण रचनाओं तक की प्रस्तुतियां दीं। उनकी सुरीली आवाज और मंच पर आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद सभागार तालियों की गूंज से भर उठता था।

SINCE 1973

MG Jewellers

(उज्जैन वाले)

हम अन्य ज्वैलर्स से खरीदे आपके सोने को स्वीकार करते हैं।

आपके सोवे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करें।

पाचदशी सोने का 100% मूल्यफल।

पुराने सोने से पाएं तुरन्त कैश पाएं

पुराना सोना 0% कटौती पर एक्सचेंज करें

श्री शुभ लक्ष्मी योजना

में अब पायें 5,000 रु. में 50,000 रु. और 10,000 रु. में 1,00,000 रु. की 916 हॉलमार्क ज्वेलरी

|                                                    |                                                    |                                                       |                                                      |                                                    |                                                   |                                                  |
|----------------------------------------------------|----------------------------------------------------|-------------------------------------------------------|------------------------------------------------------|----------------------------------------------------|---------------------------------------------------|--------------------------------------------------|
| <div>गुप 26A-01</div> <div>64 कोमल देवकार जी</div> | <div>गुप 26-01</div> <div>07 मोहन गौरी जी</div>    | <div>गुप 26-02</div> <div>143 निधि भौकराव जी</div>    | <div>गुप 26-03</div> <div>268 शक्ति लक्ष्मण जी</div> | <div>गुप 26-04</div> <div>328 समीर चौहान जी</div>  | <div>गुप 26-05</div> <div>437 नरेश कुंदर जी</div> | <div>गुप 26-06</div> <div>544 मेश चौधरी जी</div> |
| <div>गुप 26-07</div> <div>666 प्रतिक सोनी जी</div> | <div>गुप 26-08</div> <div>718 योगिता नायक जी</div> | <div>गुप 26-09</div> <div>870 विकास गोस्वामी जी</div> | <div>गुप 26-10</div> <div>964 विद्या बाबत जी</div>   | <div>गुप 26-11</div> <div>1016 विद्या मीन जी</div> |                                                   |                                                  |

बधाईयां

शुभ लक्ष्मी होजना: गुप 01,02,03,04,05,06,07,08,09 एवं 10 के विजेताओं ने पायी 50,000 की हॉलमार्क ज्वेलरी एवं गुप 26A के विजेता ने पायी 1,00,000 की हॉलमार्क ज्वेलरी।

मेकिंग चार्ज 5% से शुरू

www.mgjewellers.com

MG JEWELLERS

mg.jewellers@bhopal.org

2026 गुप के रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं।

किसी भी प्रकार की अन्य जानकारी के लिये संपर्क करें: • 27 ए सर्वधर्म कॉलोनी, चित्रेश्वरी आटा चक्की के सामने, कोलार रोड, भोपाल • एम. जी. ज्वेलर्स, शॉप नं. 5, सागर होम्स-111, ए-सेक्टर, सर्वधर्म मेन रोड, कोलार रोड, भोपाल मो. 7974488285, 9826262335, 7746055452

हरिभूमि कम्यूनिटीनक्शन प्रवाइटर लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अर्चित महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोंदवला, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पौबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, विन्डो नरती कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिरेश्वर द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भादनाज। RNI NO. MP/HIN/2014/55906, फ़ोन 0755-4049930